जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर
Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 | वर्षः 32 | संख्याः 82 | प्रभात | उदयपुर, शुक्रवार 24 जनवरी, 2025 | आर.जे. 7202 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

20 फरवरी को ''डैडलाइन'' से पहले बच्चे को अमेरिका में जन्म देने के लिये दौड़ लगी

इस दौड़ में सबसे ज्यादा संख्या भारतीय गर्भवती महिलाओं की है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के जन्म आधारित नागरिक अधिकार खत्म करने के कार्यकारी आदेश के बाद, अमेरिका के दम्पतियों, जो माता-पिता बनने वाले हैं, में 20 फरवरी से पहले सी सैक्शन से बच्चे को जन्म देने की होड़ लग गई है। ट्रम्प ने 20 फरवरी की डैडलाइन दी है जन्म आधारित नागरिकता के अधिकार को समाप्त करने के लिए।

इन मामलों में से अधिकांश भारत के हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि यह चलन दक्षिण एशियाई देशों के अलावा अन्य देशों में भी है, क्योंकि हरेक व्यक्ति मामूली सी संभावना होने पर इस अवसर का लाभ उठाना चाहता है।

ऐसी स्थिति में सबसे ज्यादा खतरा बच्चे को होगा, क्योंकि जो महिलाएं सी सैक्शन का विकल्प चुन रही हैं, वे गर्भावस्था में आठवें या नवें महीने में है। गर्भावस्था की अवधि पूरी होने में कुछ ही समय बचता है, पर इससे बच्चे को खतरा हो सकता है।

- ये महिलाएं, जिन्हें गर्भ धारण किये आठ या नौ महीने ही हुए हैं, ''डैडलाइन'' से पहले बच्चे को अमेरिका में जन्म देने के लिये, अमेरिका में डॉक्टरों पर ''सिज़ेरियन'' प्रक्रिया से बच्चे को जन्म देने के लिए दबाव डाल रही हैं। हालांकि, डॉक्टर उन्हें बार-बार सलाह दे रहे हैं कि इस प्रक्रिया से बच्चे की सेहत पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।
- समय से पूर्व जन्मे ऐसे बच्चों में फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते। इन बच्चों को माँ का स्तनपान करने में भी कठिनाई होती है। इन बच्चों का जन्म के समय वजन भी बहुत कम होता है तथा कुछ बच्चों में ''न्यूरोलॉजिकल प्रॉबलम्स'' भी विकसित हो जाती हैं।
- ट्रम्प द्वारा निर्धारित डैडलाइन का उन लाखों भारतीयों पर असर पड़ेगा, जो अमेरिका में अस्थायी वीज़ा प्राप्त करके रह रहे हैं।
- क्योंकि, अमेरिका में ''ग्रीन कार्ड'' प्राप्त करने में बहुत समय लगता है, उन भारतीय दम्पतियों के लिए यह एक ''सेफ्टी नैट'' है, जो अमेरिका में काम कर रहे हैं और उनकी पत्नियां गर्भवती हैं।

न्यूजर्सी की मैटरनिटी क्लीनिक में कार्यरत डॉ. एस.डी. रामाराव ने कहा कि उनसे समय से पूर्व डिलीवरी कराने के लिए कई लोगों ने आग्रह किया है। एक महिला का मार्च में बच्चा होना है, वह सात माह की गर्भवती है, पर अपने पति के साथ समय से पहले डिलीवरी के लिए आई थी।

अस्थाई रुप से अमेरिका में रह रहे लोगों में जन्म आधारित नागरिकता के अधिकार की डैडलाइन 20 फरवरी से पहले बच्चों को जन्म देने की होड़ लगी है, ताकि बच्चों को अमेरिका की नागरिकता मिल जाए।

जन्म के आधार पर स्वत: नागरिकता मिल जाने के अधिकार को खत्म करना इमिग्रेशन नीति में बड़ा बदलाव है तथा इससे अमेरिका में अस्थायी वीसा पर रह रहे लाखों भारतीय प्रभावित होंगे।

जन्म आधारित नागरिकता एक कानूनी सिद्धांत है, जो अमेरिका में जन्म लेने वाले हर बच्चे को अमेरिका का नागरिक बनने का अधिकार देता है, भले ही उसके माता-पिता किसी भी देश के हों और उनकी इमिग्रेशन स्थिति चाहे जो हो।

डॉ. एस.जी. मुक्काला ने लोगों को समय पूर्व प्रसव के सम्बंध में चेतावनी दी और कहा कि ऐसे बच्चों के फेफड़े विकसित नहीं हो पाते हैं, उन्हें फीडिंग में समस्या होती है, उनका वजन कम होता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीमकाथाना व गंगापुर सिटी जिला समाप्ति मामले की सुनवाई 28 जनवरी को

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने नव सृजित नीमकाथाना जिले का दर्जा समाप्त करने पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। इसके साथ ही, अदालत ने इस मामले को समान प्रकरण में गंगापुर सिटी के मामले में रामकेश मीणा की ओर से पूर्व में दायर याचिका के साथ 28 जनवरी को सूचीबद्ध करने को कहा है। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश पूर्व विधायक रमेश चंद्र खंडेलवाल की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। वहीं, मामले में नीमकाथाना बार एसोसिएशन की ओर से भी याचिका पेश की गई है।

- हाई कोर्ट में सरकार की ओर से इस मामले में महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने पैरवी की।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पेश हुए। उनकी ओर से याचिका में जवाब पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर खंडपीठ ने याचिका को रामकेश मीणा की याचिका के साथ सूचीबद्ध करने को कहा है। याचिका में अधिवक्ता निखिल सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने रामलुभाया कमेटी की सिफारिशों और तय मापदंडों के आधार पर नीम का थाना सहित, अन्य जिलों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हम हमेशा, ''बिना कागज़ात'' अमेरिका में रहने वाले भारतीयों को वापस भारत भेजने के पक्ष में रहे हैं'

विदेश मंत्री जयशंकर को ट्रम्प प्रशासन के लगातार दबाव के कारण प्रैस कॉन्फ्रैंस में सार्वजनिक रूप से कहना ही पड़ा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। अवैध प्रवासियों, जिनमें कई भारतीय भी हैं, के खिलाफ ट्रम्प सरकार द्वारा उठाए गए कठोर कदमों के बीच भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि उनका देश अनाधिकृत भारतीयों की वापसी के लिए खुला है।

हालांकि यह सच है कि भारत ने अवैध रुप से विदेश, खासकर अमेरिका, जाने वाले भारतीयों के खिलाफ कभी कोई कड़ा कदम नहीं उठाया। भारतीयों में अमेरिका के प्रति बेहद रुझान है, जिसे अधिकांश लोग सोने की खान मानते हैं।

जयशंकर के पास यह कहने के सिवा कोई चारा नहीं था कि भारत में उन लोगों को चिन्हित करने की प्रक्रिया चल रही है, जिन्हें अमेरिका से निर्वासित किया जा सकता है, अभी इनकी संख्या निर्धारित नहीं की जा सकती है।

भारतीयों का रुस की सेना में शामिल होना, हमास के खिलाफ इज़रायल की सेना के साथ लड़ना, इस बात का सबूत है कि भारत में बेरोजागारी कितनी ज्यादा है। लेकिन सरकार इस प्रवृति को रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर रही है। जहां अमीर लोग दूसरे देशों की नागरिकता ले रहे हैं, इनमें से कई तो छोटे देशों की नागरिकता ले रहे हैं, लेकिन मध्यम वर्गीय व निम्न मध्यम वर्गीय युवा गैर कानूनी तरीकों से अलग-अलग देशों में जाने का प्रयास

- पर, यह भी सच है कि अभी तक, आज तक, भारत सरकार ने भारत से अमेरिका में गैर कानूनी तरीके से जाने वाले भारतीयों को रोकने का कोई गंभीर प्रयास भी नहीं किया।
- भारत में भारी बेरोज़गारी के कारण देश के मध्यम वर्ग या लोअर मिडिल क्लास परिवारों के बच्चे, दलालों को पैसा देकर, विदेश (अमेरिका) जाने का निरन्तर प्रयास करते रहते हैं।
- बेरोज़गारी के ही कारण भारतीय युवक रूस की सेना में और हमास के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए इज़रायल सेना में भर्ती हुए।
- पर, जब अमेरिका का वीज़ा प्राप्त करने में 400 दिन लगते हैं तो गैर कानूनी तरीके से अमेरिका जाकर नौकरी करने के इच्छुक नौजवानों को कैसे रोका जा सकता है।
- विदेश मंत्री ने इस तर्क के प्रति अमेरिका के विदेश मंत्री (सैक्रेटरी ऑफ स्टेट) मार्को रुबिओ ने भी सहमति जताई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आप अपने लिए भाजपा से बड़ा खतरा कांग्रेस को मानती है

आप को डर है कि कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक वोट बैंक को खंडित ना कर दे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। आम आदमी पार्टी सार्वजनिक रूप से यह दावा भले ही कर रही हो कि कांग्रेस अप्रासंगिक हो गई है, लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि दिल्ली में करीब 10 सीटें ऐसी हैं, जहाँ आप, कांग्रेस पार्टी के प्रचार-अभियान पर खास नज़र रखे हुये है।

पिछले दो सप्ताह से, आप नेता दिल्ली के चुनावों में कांग्रेस को ''अप्रासंगिक'' बता रहे हैं तथा आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा के साथ इसकी ''मिलीभगत'' है।

आम आदमी पार्टी, अन्य सीटों के अलावा, ओखला, चाँदनी चौक तथा बादली सीटों पर कांग्रेस से कड़ी टक्कर मानकर चल रही है।

जहाँ ओखला में पूर्व कांग्रेस विधायक आसिफ अहमद खान की बेटी अरीबा खान आप के अमानतुल्लाह खान के खिलाफ मैदान में है, वहीं चाँदनी चौक सीट पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता जे.पी. अग्रवाल के पुत्र मुदित अग्रवाल, आप के पुनर्दीप सिंह साहनी के खिलाफ खड़े हैं, जो चाँदनी चौक से वर्तमान विधायक प्रहलाद सिंह साहनी के पुत्र हैं। बादली सीट पर कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव, आप के अजेश यादव के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

- दिल्ली की दस विधानसभा सीटों पर आप कांग्रेस के प्रचार अभियान पर पैनी नज़र रखे हुए है।
- इन दस सीटों में से तीन, ओखला, चाँदनी चौक और बादली में तो आप, कांग्रेस से कड़ी टक्कर मिलने की संभावना से चिंतित है।

आप के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''हमारे लिये, चिन्ता का विषय यह नहीं है कि कांग्रेस सीटें जीतेगी, बल्कि चिन्ता का विषय यह है कि स्वयं तो हार जायेगी, लेकिन भाजपा को अपनी स्थिति मजबूत करने में जरूर मदद करेगी।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा पिछले 27 साल से दिल्ली की सत्ता से बाहर है तथा यह चुनाव उसके लिये बहुत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस का वोट शेयर बढ़ने से भाजपा की ही मदद होगी।''

आप के एक अन्दरूनी व्यक्ति ने कहा, ''देखिये, 2017 के एमसीडी चुनावों में क्या हुआ था। केवल दो साल पहले, आप ने विधानसभा चुनाव 54 प्रतिशत के विशाल वोट-शेयर के साथ जीते थे तथा कांग्रेस केवल 10 प्रतिशत वोट ही पा सकी थी। लेकिन कांग्रेस ने एमसीडी चुनाव अच्छी तरह लड़े। (नतीजा यह हुआ कि) आप का वोट शेयर गिरकर 26 प्रतिशत पर आ गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्य के 5897 गाँव अभावग्रस्त घोषित

जयपुर, 23 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशील निर्णय लेते हुए खरीफ बाढ़ एवं ओलावृष्टि से प्रभावित 21 जिलों के किसानों को एसडीआरएफ से कृषि आदान अनुदान वितरण करने की मंजूरी दी है। इसके लिए 20 जिलों के 33 प्रतिशत या उससे अधिक फसल खराबे वाले 5897 गांव अभावग्रस्त घोषित किए गए हैं। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से प्रभावित किसानों को बड़ा संबल मिलेगा। इस निर्णय के उपरान्त, अब आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग द्वारा इस बारे में अधिसूचना जारी की जाएगी।

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने बाढ़ व ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को एसडीआरएफ से कृषि आदान अनुदान वितरण की स्वीकृति दी।

मुख्यमंत्री ने मानसून वर्ष 2024 (संवत् 2081) में बाढ़ और ओलावृष्टि से खरीफ फसलों के खराबे के आकलन के लिए गिरदावरी के निर्देश दिए थे और जिला कलक्टरों से प्राप्त नियमित गिरदावरी रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में व्याप्त गंदगी के लिए केजरीवाल पर कटाक्ष किया, योगी आदित्यनाथ ने

क्या केजरीवाल व उनकी सरकार के लोग यमुना में डुबकी लगाने को तैयार हैं?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। महाकुंभ के अवसर पर प्रयागराज में यमुना नदी में लाखों लोगों के स्नान करने का श्रेय लेते हुये, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अरविन्द केजरीवाल पर तंज करते हुये, उनसे तथा उनके मंत्रियों से पूछा कि क्या वे लोग दिल्ली में प्रदूषित यमुना में स्नान करने की हिम्मत कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को दिल्ली में अपनी पहली चुनावी सभा को संबोधित किया तथा मतदाताओं से आसन्न दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा को समर्थन देने का अनुरोध किया। योगी ने जनसभा में उपस्थित भारी भीड़ से विकास, कानून-व्यवस्था में सुधार तथा भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन का वादा किया।

दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर की बिगड़ती हुई स्थिति का हवाला देते हुये, उन्होंने कहा, ''यह राष्ट्रीय राजधानी है। एन.डी.एस.सी. क्षेत्र के अलावा, दिल्ली की सड़कों, जल-आपूर्ति तथा बिजली की हालत देखिये। एक दशक पहले, यहाँ लोग बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, मैट्रो सेवा तथा सफाई के कारण आया करते थे। लेकिन अब, इस सरकार ने इसकी कैसी हालत कर दी है। सड़कों में गड्ढों की भरमार है तथा कुछ स्थानों पर तो यह बताना मुश्किल है कि क्या गड्ढों में कहीं सड़क है। हर जगह कूड़ा-करकट तथा धूल-मिट्टी दिखाई देती है।''

- जैसा कि विदित है कि महाकुंभ के अवसर पर योगी व उनके मंत्रिमंडल ने संगम में डुबकी लगाई थी, जो बहुत प्रचारित रही थी।
- योगी ने दिल्ली और समीपवर्ती गाज़ियाबाद, जो उत्तर प्रदेश का शहर है, की तुलना की और कहा, दोनों में ज़मीन आसमान का अंतर है। उन्होंने कहा, आप सरकार दिल्ली की जनता को मूलभूत सुविधाएं नहीं दे पाई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आप सरकार पर प्रहार करते हुये, उस पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''सड़कों पर गंदा पानी बह रहा है तथा पेयजल संकट है। आप सरकार इन मूलभूत मुद्दों के समाधान में असफल रही है।''

आप नेतृत्व की आलोचना करते हुये, आदित्यनाथ ने उस पर वास्तविक स्थिति की तुलना में सोशल मीडिया को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''जनता के लिय काम करने के बजाय, आप नेता, जिनमें अरविन्द केजरीवाल भी शामिल हैं, अपना समय झूठे ट्वीट करने में गुजारते हैं। अगर उन्होंने ऐसे प्रयास प्रशासन के मामले किये होते, तो दिल्ली का कायापलट हो सकता था।''

दिल्ली और उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद की तुलना करते हुये आदित्यनाथ ने कहा, ''दिल्ली और गाज़ियाबाद की सड़कों में सार्वजनिक सुविधाओं में जबरदस्त अन्तर है। आप ने दिल्लीवासियों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित कर दिया है।''

गुजरे समय के विवादों का हवाला देते हुये, आदित्यनाथ ने कहा, ''2020 में, दिल्ली शहर दंगों का साक्षी बना तथा (दंगों में) एक आप पार्षद की लिप्तता सामने आई। आप सरकार शान्ति और सुरक्षा सुनिश्चित करने में लगातार असफल रही है।''

चुनाव आयोग ने केजरीवाल की पंजाब पुलिस की सुरक्षा हटाई

नई दिल्ली, 23 जनवरी। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को मिली पंजाब पुलिस की सुरक्षा हटा ली गई है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने कहा है कि चुनाव आयोग और दिल्ली पुलिस के निर्देश पर पंजाब पुलिस के जवान जो केजरीवाल की सुरक्षा में तैनात थे उन्हें वापस बुला लिया गया है। पंजाब के डीजीपी ने कहा कि केजरीवाल की सुरक्षा को लेकर हम चिंतित हैं और इस वजह से दिल्ली पुलिस से जानकारी साझा कर रहे हैं और उनसे बात कर रहे हैं। इस बीच संजय सिंह ने

- आप पार्टी के संजय सिंह ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने जबरदस्ती केजरीवाल की सुरक्षा कम की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका की डब्ल्यु.एच.ओ. छोड़ने की घोषणा से भारत पर काफी चिन्ताजनक असर होगा

पोलियो की रोकथाम, टीबी आदि को खत्म करने के लिये गये ''इम्यूनाइज़ेशन प्रोग्राम'' फण्ड के अभाव में सिकुड़ सकते हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में अपने पहले दिन कई कार्यकारी आदेश जारी किए, उनमें से एक थी, वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइज़ेशन (डब्ल्यु. एच.ओ.) से अमेरिका की निकासी की घोषणा। यह निकासी, जो एक वर्ष बाद प्रभावी होगी, भारत पर कई सीधे और अप्रत्यक्ष प्रभाव डाल सकती है। यह इस पर निर्भर करेगा कि ग्लोबल हैल्थ इकोसिस्टम इस बदलाव के साथ कैसे एडजस्ट करता है।

अमेरिका का डब्ल्यु.एच.ओ. में प्रमुख योगदान रहा है। इसकी निकासी से एक महत्वपूर्ण वित्तीय कमी उत्पन्न हो सकती है, जो विश्वभर में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्रभावित कर सकती है। भारत, जो पोलियो उन्नमूलन, तपेदिक (टीबी) उन्मूलन और टीकाकरण अभियानों जैसी डब्ल्यु.एच.ओ. द्वारा संचालित पहलों का प्रमुख प्राप्तकर्ता है, को इन कार्यक्रमों में देरी या धन की कमी का सामना कर सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि गावी (वैक्सीनेशन अलायंस) जैसी विशिष्ट पहल, जो डब्ल्यु.एच.ओ. प्रयासों से जुड़ी हुई हैं, अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो सकती हैं और भारत के टीकाकरण प्रयासों पर असर डाल सकती हैं।

- जैसा कि विदित ही है, कोविड-19 के दौरान डब्ल्यु.एच.ओ. की गाइडलाइन्स, रिसर्च तथा सप्लाई शृंखलाओं का नैटवर्क बहुत काम आया था, महामारी से जूझने में।
- भारत को यूरोपियन यूनियन, चीन व रूस की ओर देखना होगा और अधिक सहयोग व अन्य मदद के लिये, अन्यथा, भारत के रिसोर्सेज़ व कुटनीतिक ऊर्जा पर भारी दबाव रहेगा, डब्ल्यु.एच.ओ. में अमेरिका की कमी को पूरी करने के लिए विकल्प ढूंढ़ने में।

दक्षिण एशिया और अफ्रीका के कई निम्न और मध्यम आय वाले देशों को डब्ल्यु.एच.ओ. से स्वास्थ्य संकटों के समाधान के लिए तकनीकी विशेषज्ञता और समर्थन प्राप्त होता है। डब्ल्यु.एच.ओ. के कमज़ोर पड़ने से भारत की क्षेत्रीय हैल्थ लीडर की भूमिका प्रभावित होगी और हैल्थ एमरजैंसी के समय भारत को अपने पड़ोसी देशों की अधिक सक्रिय रूप से सहायता करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

अमेरिका की डब्ल्यु.एच.ओ. से निकासी से ग्लोबल हैल्थ गवरनैंस में एक रिक्त स्थान पैदा होगा, जिसमें भारत को वैश्विक स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण में अपनी भूमिका को मजबूत करना पड़ सकता है और यूरोपीय संघ, चीन और रूस जैसे अन्य प्रमुख खिलाड़ियों के साथ मिलकर बहुपक्षीय सहयोग को बनाए रखने के लिए काम करना पड़ सकता है। इससे भारत की कूटनीतिक क्षमता और संसाधन प्रभावित हो सकते हैं।

डब्ल्यु.एच.ओ. के कमज़ोर होने से भारत को अपनी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षमताओं को बढ़ाना पड़ सकता है। इसका मतलब यह हो सकता है कि भारत को, ग्लोबल फंड या गेट्स फाउंडेशन जैसे अन्य ग्लोबल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चेक बाउन्स केस में रामगोपाल वर्मा को तीन माह की जेल

मुंबई, 23 जनवरी। महाराष्ट्र में मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने बॉलीवुड फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा को चेक अनादरण (बाउन्स) मामले में तीन महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। एक वकील ने यहां गुरुवार को बताया कि वर्मा के खिलाफ सात साल पहले परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

- सात साल पुराने केस में अदालत ने तीन माह के भीतर 3.72 लाख का जुर्माना भरने के निर्देश दिए वरना 3 माह की सजा और भुगतनी पड़ेगी।

अंधेरी मजिस्ट्रेट अदालत ने न्यायालय में पेश न होने की वजह से मंगलवार को वर्मा के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी कर दिया।

अदालत ने वर्मा को 3.72 लाख

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

ईश्वर एक शाश्वत बालक है जो शाश्वत बाग़ में शाश्वत खेल खेल रहा है। -अरविन्द

पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 की वैधानिकता को चुनौती देने के स्थान पर समाधान तलाशें

अश्विनी कुमार उपाध्याय बनाम भारत संघ केस नं. WP(C) 1246/2020 के केस में निम्नलिखित महत्वपूर्ण मुद्दों पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय सुनवाई करने जा रहा है:–

(1) क्या पूजा स्थल अधिनियम, 1991 की धारा 2, 3 तथा 4 संविधान के अनुच्छेद 14 व 15 तथा समानता के अधिकार की गारंटी का उल्लंघन करती है?

(2) क्या धारा 2, 3 व 4 अनुच्छेद 25, 26, और 29 तथा संविधान में धर्म निरपेक्षता की मूल विशेषता का उल्लंघन करती है?

(3) क्या आक्रमणकारियों द्वारा नष्ट किये गये मंदिर हिन्दू तथा इस्लामी पर्सनल लॉ के तहत् मंदिर बने रहेंगे?

सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकायें उपरोक्त वर्णित कानून के तहत पेश हुई हैं। राजनीतिक दलों जिसमें आरजेडी, एएमआईएम, जमीयत उलेमा-ए-हिन्द आदि हैं उन्होंने अपनी-अपनी पिटीशनस् में सुप्रीम कोर्ट से प्रार्थना की है कि माननीय कोर्ट उक्त पूजा स्थल अधिनियम के प्रावधानों का समर्थन करें ताकि देश में सभी लोगों में समरसता व भाईचारा बना रहे और कोई साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न नहीं हो, तथा संविधान का धर्मनिरपेक्ष ताना बाना सुरक्षित रहे।

पूजा स्थल अधिनियम अथवा उपासना स्थल अधिनियम 1991 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई सभी पिटीशनस् की सुनवाई साथ-2 होगी। इसे मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बैंच सुनवाई कर रही है। केस में सुनवाई के हेतु 17 फरवरी 2025 की पेशी नियत है। अंग्रेजी में इस अधिनियम को प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1951 के नाम से पुकारा जाता है।

यह अधिनियम 18 सितम्बर, 1991 को संसद द्वारा पारित किया गया था। यह अधिनियम बाबरी मस्जिद के विध्वंस से एक साल पूर्व सन 1991 में लाया गया था। बाबरी मस्जिद के (खंडहर) को 1992 में गिराया गया था। अधिनियम का पूरा नाम पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 है। इस कानून को संसद में किसी भी पूजा स्थल के धर्मांतरण पर रोक लगाने और किसी भी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बनाये रखने के अधिनियम (उद्देश्य) से पारित किया गया था, जो जैसा भी 15 अगस्त, 1947 को था। सर्वोच्च न्यायालय उपासना स्थल अधिनियम 1991 की संवैधानिक वैधता पर निर्णय करेगा। यह कानून जैसा ऊपर कहा है उपासना स्थलों के धार्मिक स्वरूप के बदलने से, जो स्थिति 15 अगस्त 1947 को थी, को रोकता है।

यह अधिनियम उस समय जनता के ध्यान में आया जब सर्वोच्च न्यायालय उस स्थान के सम्पत्ति विवाद का फैसला कर रहा था, जहां कभी बाबरी मस्जिद थी। मस्जिद के खंडहर को, जिस रूप में वह उस समय थी, कार सेवकों से 6.12.1991 को तोड़ा था। सिविल कोर्ट में सम्पत्ति का विवाद वर्षों तक चला था। दावे के अनुसार इस की सम्पत्ति का मालिकाना हक हिन्दुओं के देवता भगवान श्रीराम (रामलला) विराजमान का माना था। दिनांक 9 नवम्बर 2019 को सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के 5 न्यायाधीशों ने उक्त सम्पत्ति का अधिकार माना था। इस प्रकार 450 साल पुराने विवाद का अन्त हुआ। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थल अधिनियम 1991 की वैधता को सुरक्षित रखा। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा ''पूजा स्थल अधिनियम आन्तरिक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के दायित्वों से संबंधित है यह सभी धर्मों की समानता के लिये भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'' अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका में उक्त एक्ट की धारा 2, 3 व 4 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है।

पूजा स्थल अधिनियम 1991 के मुख्य प्रावधानों को समझना प्रत्येक देश के नागरिक के लिये आवश्यक है। उपासना स्थल अधिनियम, 1991 के अनुसार किसी भी उपासना स्थल का धार्मिक स्वरूप वैसा ही रहना चाहिये जैसा वह 15 अगस्त 1947 को था। इसका उद्देश्य भी यही है कि पूजा स्थल के कथित ऐतिहासिक रूपान्तरण से उत्पन्न सभी विवादों को समाप्त करना है। धारा 3 स्पष्ट रूप से यह निर्देश देती है कि किसी भी धार्मिक सम्प्रदाय के पूजा स्थल को पूर्णत: अथवा आंशिक रूप से किसी अन्य धार्मिक सम्प्रदाय के पूजा स्थल में परिवर्तित करने की मनाही है यानी परिवर्तन करने पर रोक है और रोक की स्थिति यह है कि उसी धार्मिक सम्प्रदाय के किसी अन्य भाग के पूजा स्थल में भी परिवर्तन नहीं किया जा सकता। धारा 4(1) के अनुसार 15 अगस्त 1947 को था। धारा 4(2) में बतलाया गया है कि 15 अगस्त 1947 को मौजूदा किसी भी उपासना स्थल के धार्मिक स्वरूप के परिवर्तन के बाबत किसी भी न्यायालय, अधिकरण या किसी अन्य प्राधिकरण के समक्ष लम्बित कोई भी वाद या कानूनी कार्यवाही समाप्त हो जावेगी और कोई नया वाद या कानूनी कार्यवाही प्रारम्भ नहीं हो सकेगी। यदि 15 अगस्त 1947 के बाद इस अधिनियम के लागू होने से पहले किसी उपासना स्थल का धार्मिक स्वरूप बदल गया है और उससे संबंधित कोई वाद या अपील किसी न्यायालय में लम्बित है तो उसका निर्णय धारा 4(1) अनुरूप ही किया जावेगा। धारा 5 के अनुसार इस अधिनियम की कोई धारा राम जन्म भूमि बाबरी मस्जिद मामले से संबंध किसी भी मुकदमें, अपील अथवा कार्यवाही पर लागू नहीं होगी। धारा 6 के अनुसार इस अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर 3 वर्ष तक की सजा दी जा सकती है।

कुछ विशिष्ट परिस्थितियों में इस अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे जैसे - (1) वे पूजा स्थल जो प्राचीन स्मारक व पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनिमय 1958 द्वारा संरक्षित हैं। (2) यदि कोई वाद इस अधिनियम के लागू होने से पहले ही अन्तिम रूप से निपटाया जा चुका है तो यह अधिनियम लागू नहीं होगा। (3) उस स्थिति में भी यह अधिनियम लागू नहीं होगा जब विवाद जिसे इस अधिनियम के लागू होने के पहले ही दोनों पक्षों द्वारा आपसी सहमति से सेटिल किया जा चुका है।

कबीर हिन्दू व मुसलमान दोनों के लिये पूज्यनीय थे। उन्होंने दोनों धर्मों के पाखण्ड़ पूर्ण व्यवहार पर करारी और तीखी चोट की थी। कबीर का मानना था कि हर इन्सान में ईश्वर का निवास होता है। उसे मंदिर-मस्जिद में ढूँढना सही नहीं है। ईश्वर न तो काबा में मिलेगा न काशी में बल्कि वह तो हर इन्सान में मिलेगा।

यह ध्यान देने की बात है कि यह एक्ट बाबरी मस्जिद राम जन्मभूमि विवाद के प्रकाश में लाया गया था, किन्तु उसे विशेष रूप से इससे बाहर रखा गया था; क्योंकि इस कानून के पारित होने के समय यह विवाद पहले से ही न्यायालय में जेरकार था।

यहां यह कहना भी समीचीन होगा कि न्यायमूर्ति डीवाई चन्द्रचूड ने कहा था कि यद्यपि यह सही है कि 1991 के कानून के तहत् धार्मि स्थल की प्रकृति को बदलने पर रोक है किन्तु प्रक्रियात्मक साधा के रूप में किसी धार्मिक चरित्र का पता लगाना वस्तुत: इस अधिनियम (एक्ट) की धारा 3 व 4 के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं हो सकता। कृपया ध्यान दें कि उक्त विचार किसी निर्णय का अंश नहीं है। यानी यह विवाद का विषय नहीं है। मथुरा एवं ज्ञानव्यापी दोनों के विवादों में मस्जिद पक्ष के इस व्याख्या को चुनौती दी है। इसका यह अर्थ है कि उपरोक्त रिट याचिकाओं की बहस में यह प्रश्न उठाया जावेगा।

दिनांक 15 अगस्त 1947 भारत के लिये एक ऐतिहासिक व महत्व का दिन है, जब देश एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक और संप्रभु राज्य बना था, जहां कोई राज्य धर्म नहीं है और धर्मों को स्वतंत्र रूप से देखा जाता है और नागरिकों को अपने-2 धर्म के रिवाजों, पद्धति के अनुरूप पूजा, साधना, उपासना करने का अधिकार प्राप्त है। वस्तुत: अलग-2 धर्मों के पूजा स्थलों के पूजा स्थलों की यथास्थिति सीापित रखने के लिये 15 अगस्त 1947 को पूजा स्थल एक्ट लागू किया गया था। यह स्पष्ट किया गया कि देश में आजादी के वक्त अर्थात् 15.08.1947 को जो पूजा स्थल जिस स्थिति में थे, वे वैसे ही रहेंगे। पूजा स्थल अधिनियम सभी धार्मिक स्थलों पर लागू है चाहे वह हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध का हो, उसे दूसरे धर्म के पूजा स्थलों में परिवर्तित नहीं कर सकेंगे।

सर्वोच्च न्यायालय ने कई याचिकायें पेश हो रही थी, इसे देखकर न्यायालय ने मुदकमें बाजी पर विराम लगा दिया है। सभी अदालतों को निर्देश दिया है कि जब तक अपेक्स कोर्ट में मामले लम्बित हैं तब तक अदालतें धार्मिक स्थल के दावों के नये मुकदमें दर्ज नहीं करेंगे अथवा फाइनल आदेश पारित करेगी। सर्वे का भी आदेश नहीं देगी।

पूजा स्थलों का विवाद संविधान के अनुच्छेद 25 व 26 के तहत् हल किया जाना चाहिये।

जमीयत उलमा-ए-हिंद ने हिन्दू याचिकाकर्त्तओं द्वारा दायर याचिकाओं को चुनौती देते हुये अपेक्स कोर्ट में प्ली ली थी कि अधिनियम के विरूद्ध याचिकाओं पर विचार करने से भारत में अनगिनत मस्जिदों के विरूद्ध विवादों की बाढ़ आ जावेगी। इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड ने भी याचिकाओं का विरोध किया हैं।

जो याचिकायें सुप्रीम कोर्ट में पेश हुई हैं उनमें मुख्य तर्क यह है कि उक्त अधिनियम 1991 न्यायिक समीसक्षा को रोकता है। धारा 4 न्यायालयों को विशेष मामले में निर्णय लेने से रोकती है। यह भी तर्क है और प्ली उठाई है कि चूंकि न्यायिक समीक्षा की शक्ति संविधान के मूल ढ़ाँचे का एक भाग है और उसे खण्डित नहीं किया जा सकता अत: अधिनियम वैध नहीं है। उक्त अधिनियम धर्म निरपेक्षता के सिद्धान्त का भी उल्लंघन करता है। याचिका में एक्ट की वैधानिकता को इस आधार पर चुनौती दी है कि अधिनियम (एक्ट) एक धार्मिक समुदाय को वरीयता देता है। इस प्रकार संविधान के अनुच्छेद 14 व 15 का भी अतिरेक करता है। आर्टिकल 14 व 15 के तहत् समानता और भेदभाव के अधिकारों का उल्लंघन करता है। अनुच्छेद 21 के तहत् भी इसे चुनौती दी गई है, जिसका संबंध जीने के अधिकार से है। जैसा ऊपर कहा है कि अधिनियम अनुच्छेद 25, 26 व 29 के तहत् दिये गये धार्मिक स्वतंत्रता के मूल अधिकारों का भी उल्लंघन करता है।

एक याचिका में तर्क है कि चूंकि देवता शाश्वत होते हैं और मंदिर नष्ट करने के बाद भी मंदिर है, अत: मंदिर का स्वामित्व नष्ट नहीं होता।

वर्तमान में सर्वे से यह ज्ञात हुआ है कि हजारों मंदिरों को तोड़कर उनके स्थान पर मस्जिद का निर्माण हुआ है। हिन्दुओं में जागृति आई है और वे तोड़े गये मंदिरों के स्थान पर पुन: मंदिरों को रेस्टोर (पुन: स्थापित) करना चाहते हैं। देश की अदालतों मंदिर/मस्जिद के विवादों से घिर जावेंगी और देश की संस्कृति और उसकी गंगा-जमुनी संस्कृति को भारी आघात होगा। सदभाव और भ्रात्व भाव में भारी तनाव पैदा होगा। अत: जो मुकदमें चल रहे हैं उनमें ऐसा निर्णय होना चाहिये जो राष्ट्रहित में हो। देश की एकता व अखण्डता अक्षुण्ण रहे। कुछ लोगों ने सलाह दी है कि हमें आपसी सदभाव से इन विवादों का हल निकालना होगा। यों तो मंदिर मंदिर में भेद नहीं हो सकता; किन्तु फिर भी भेद है और यह भी आस्था का प्रश्न है। मथुरा, काशी, संभल आदि कई स्थान के मंदिरों के विवाद आपसी सहमति से निपटाये जा सकते हैं। प्रयत्न करें कि विशिष्ट 12 मस्जिदों को अधिनियम की धारा 5 के तहत् राम जन्मभूमि के मामले की तरह अपवाद में शामिल करें और शेष सभी मंदिरों के विवादों पर अधिनियम 1991 लागू किया जावे। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि के मंदिर मस्जिद के केस को बहुत ही कुशलता व राष्ट्र की एकता व अखण्डता के हेतु निर्णित किया है जिसे देश का महान इतिहास सदा याद करेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने राम जन्मभूमि (बाबरी मस्जिद) केस में उक्त अधिनियम की विवेचना की है और उसे अपवाद किये जाने को वैध माना है।

पूजा स्थल अधिनियम 1991 की वैधता को चुनौती देने वाले तर्क सही हो सकते हैं और उस अधिनियम को असंवैधानिक करार दिया जा सकता है; किन्तु इससे राष्ट्र का अहित ही होगा, न्याय भी नहीं होगा। यदि देश के हिन्दू व मुसलमानों के मध्य कोई समझौता इस हेतु होता है तो वह चिर स्मरणीय होगा और इस घटना का इतिहास स्वर्णाक्षरों में लिखा जावेगा।

कबीर हिन्दू व मुसलमान दोनों के लिये पूज्यनीय थे। उन्होंने दोनों धर्मों के पाखण्ड पूर्ण व्यवहार पर करारी और तीखी चोट की थी। कबीर का मानना था कि हर इन्सान में ईश्वर का निवास होता है। उसे मंदिर-मस्जिद में ढूँढना सही नहीं है। ईश्वर न तो काबा में मिलेगा न काशी में बल्कि वह तो हर इन्सान में मिलेगा। कबीर ने कहा था- ''**मोको कहाँ ढूँढे रे बन्दे मैं तो तेरे पास में।**

न मंदिर में न मस्जिद में, न काबा कैलाश में।।''

कबीर ने कहा था, उसे पूजा स्थल में ढूँढना व्यर्थ है वह तो हर मनुष्य में है।

हे, खुदा व ईश्वर के बन्दों कबीर के दर्शन व भारतीय संविधान तथा संस्कृति को समझो और मंदिर-मस्जिद के इस विवाद को सर्वोच्च न्यायालय की न्यायिक गरिमा की छाया में आपसी सहमति से सुलझाने में इतिहास के साक्षी बने।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था : भविष्य की झलक

राम शर्मा

हम वर्ष 2025 में प्रवेश कर चुके हैं। पिछले साल भारतीय अर्थव्यवस्था की चाल सकारात्मक रही। कई देशों में मंदी के बावजूद हमारी आर्थिक वृद्धि दर बनी रही। यूक्रेन-रूस युद्ध ने कुछ सेक्टर में महंगाई बढ़ाने का काम किया, लेकिन समग्र रूप से देखा जाए तो अर्थव्यवस्था ने संतुलित विकास किया है। अब यह देखना रोचक होगा कि भारत के लिए वर्ष 2025 कैसा रहेगा? भारत के लिए अपनी युवा जनसंख्या, डिजिटल तकनीक और मजबूत होते आधारभूत ढांचे से उम्मीद है कि यह वर्ष भी भारत के लिए उत्साहवर्धक परिणाम लेकर आएगा। हालांकि, आय असमानता, बेरोज़गारी और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे कुछ चुनौतियों से भी पार पाना होगा।

भारत अपनी युवा जनसंख्या का लाभ उठाने में लगातार सफल हो रहा है। भारत की औसत आयु अपेक्षाकृत कम रहने का अनुमान है, जिससे एक बड़ा कामकाजी वर्ग उपभोग और उत्पादन को बढ़ावा देगा। 2025 तक भारत की श्रमशक्ति दुनिया में सबसे बड़ी हो सकती है, जो श्रम उपलब्धता के मामले में उसे एक विशिष्ट लाभ देगा। हालांकि, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि भारत इस जनसांख्यिकीय लाभ को कौशल विकास, स्वास्थ्य देखभाल में सुधार और रोजगार सृजन के माध्यम से भुनाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस बड़ी आबादी का एक बड़ा हिस्सा बेरोजगार न रहे।

भारत ने डिजिटल तकनीक के बुनियादी ढांचे में काफी प्रगति की है। डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से लाखों लोगों तकनीक का बेहतर उपयोग करने लगे हैं। 2025 तक, यह तकनीक लगभग हर क्षेत्र में जैसे कि कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और वित्त में केंद्रीय भूमिका निभाएगी। सरकार की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस), मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों में नवाचार को बढ़ावा देने की योजना, साथ ही साथ एक उभरते हुए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने में मदद करेगा। फिनटेक, एडकटेक और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्र तेजी से बढ़ेंगे, जो अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

भारत सरकार ने कई आर्थिक सुधार लागू किए हैं, जिनका उद्देश्य एक इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली माहौल का निर्माण करना है। 2017 में लागू किया गया गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स 2025 तक कराधान प्रणाली को और अधिक सुव्यवस्थित करने की दिशा में काम करेगा, जिससे व्यापार लागत घटेगी और अनुपालन में सुधार होगा।

भारत की शहरी जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, जो अवसंरचना, आवास और परिवहन के लिए मांग को बढ़ावा देगी। स्मार्ट शहरों, मेट्रो रेल प्रणालियों, नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रामीण अवसंरचना में बड़े पैमाने पर निवेश से मजबूत आर्थिक विकास की नींव रखी जाएगी। वर्ष 2025 तक, भारत की अवसंरचना का विकास न केवल रोजगार सृजन करेगा, बल्कि उत्पादकता को भी बढ़ावा देगा, जिससे एक अधिक कुशल अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा।

भारत का वैश्विक व्यापार में स्थान तेजी से बढ़ रहा है। देश ने विशेष रूप से आईटी सेवाओं, फार्मास्युटिकल्स और वस्त्रों के निर्यात में तेजी से वृद्धि देखी है। वर्ष 2025 तक, भारत वैश्विक निर्माण और सेवा केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए तैयार है। प्रमुख साझेदारों जैसे अमेरिका, यूरोपीय संघ और दक्षिण-एशिया के साथ व्यापार समझौतों से भारत की आर्थिक स्थिति वैश्विक बाजार में और मजबूत होगी।

इस वर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां भी कम नहीं होंगी। भारत में पर्याप्त श्रमशक्ति है, लेकिन उसे काम नहीं मिल रहा। हर हाथ को काम देना भारत के लिए इस वर्ष भी बड़ी चुनौती होगी। कामकाजी उम्र की जनसंख्या बढ़ रही है, लेकिन रोजगार बाजार उतनी तेजी से नहीं बढ़ा है। इसके अलावा, श्रम कौशल अंतर भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई श्रमिकों के पास उभरते हुए उद्योगों के लिए आवश्यक कौशल नहीं हैं। वर्ष 2025 तक, सरकार और निजी क्षेत्र को शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण में भारी निवेश करना आवश्यक होगा, ताकि एक ऐसे कार्यबल का निर्माण हो सके जो भविष्य के रोजगार के लिए तैयार हो। यदि भारत इन मुद्दों को हल नहीं करता है, तो युवा बेरोज़गारी आर्थिक वृद्धि को बाधित कर सकती है।

आर्थिक असमानता को दूर करना देश की बड़ी समस्याओं में से एक है। भारत की अर्थव्यवस्था पिछले कुछ दशकों में तेजी से बढ़ी है, लेकिन इसके लाभ समान रूप से वितरित नहीं हुए हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच, साथ ही विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच समृद्धि में बहुत बड़ा अंतर है। अमीर और गरीबी के बीच खाई बढ़ती जा रही है। इस वर्ष में आय असमानता को दूर करना समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक होगा। ऐसी नीतियां जो शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वित्तीय सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करें, असमानताओं को कम करने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होंगी कि वृद्धि के लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचें।

भारत को गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे वायु प्रदूषण, जल संकट और जलवायु परिवर्तन। देश का तेजी से औद्योगिकीकरण अक्सर उसके प्राकृतिक संसाधनों की कीमत पर हुआ है। वर्ष 2025 तक, भारत को सतत विकास पर अपने ध्यान को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना होगा, ताकि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके। इसके लिए स्वच्छ ऊर्जा, कचरा प्रबंधन और जलवायु संकट से निपटने में निवेश करना आवश्यक होगा। एक हरित अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण भारत की घरेलू जरूरतों और अंतर्राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं दोनों को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा।

कृषि भारत के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो देश की बड़ी जनसंख्या को रोजगार प्रदान करता है। हालांकि, कृषि को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जैसे निम्न उत्पादकता, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और अपर्याप्त अवसंरचना। वर्ष 2025 तक, यह जरूरी होगा कि सरकार कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों, बेहतर सिंचाई प्रणालियों और बाजार लिंकेज में सुधार पर ध्यान केंद्रित करे। ग्रामीण क्षेत्रों को भी बेहतर अवसंरचना, स्वास्थ्य देखभाल और ऋण सेवाओं तक पहुंच प्रदान करनी होगी, ताकि शहरी क्षेत्रों की ओर प्रवासन को रोका जा सके और संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सके।

भारत की अर्थव्यवस्था बाहरी तत्वों से प्रभावित हो सकती है, जिनमें वैश्विक आर्थिक उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार युद्ध शामिल हैं। संरक्षणवाद, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और कोविड महामारी के आर्थिक प्रभाव जैसे मुद्दे भारत के विकास की संभावनाओं के लिए चुनौतियां पैदा कर सकते हैं। मजबूत कूटनीतिक उपस्थिति बनाए रखना और व्यापार संबंधों में विविधता लाना भारत को वैश्विक आर्थिक संकटों से बचाने के लिए आवश्यक होगा।

वर्ष 2025 भारत के लिए नए अवसर भी लेकर आएगा। भारत सरकार द्वारा उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (इ्थ्ध) योजना जैसी पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिससे 2025 तक भारत वैश्विक कंपनियों के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने का एक आकर्षक गंतव्य बन सकता है। भारत को चीन से निर्माण स्थानांतरण से लाभ हो सकता है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स, वस्त्रों और ऑटोमोबाइल जैसे उद्योगों में नए अवसर उत्पन्न होंगे।

वर्ष 2025 में भारत का मध्यम वर्ग महत्वपूर्ण रूप से बढ़ने की संभावना है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में वस्त्रों, उपभोक्ता सामान, ऑटोमोबाइल और स्वास्थ्य देखभाल जैसी वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ेगी। यह बढ़ता उपभोक्ता वर्ग घरेलू उपभोग को बढ़ावा देगा, जो जीडीपी वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान करेगा। मध्यम वर्ग बेहतर शासन, बेहतर सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार की मांग करेगा, जो सार्वजनिक अवसंरचना और सेवाओं में निवेश को बढ़ावा देगा।

भारत का अनुकूल निवेश माहौल, बढ़ता घरेलू बाजार और कुशल श्रमिकों का विशाल पूल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित करना जारी रखेगा। 2025 तक, भारत विदेशी निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनने की संभावना है। सरकार के नियमों में सुधार, व्यापार करने में आसानी और अवसंरचना में सुधार से विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ेगा, जिससे आर्थिक वृद्धि को और बढ़ावा मिलेगा।

निष्कर्षत: हम कह सकते हैं कि वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत वृद्धि का सामना करेगी, जो जनसांख्यिकीय लाभ, प्रौद्योगिकी नवाचार और रणनीतिक नीति सुधारों से प्रेरित होगी। हालांकि, बेरोज़गारी, आय असमानता, पर्यावरणीय स्थिरता और भू-राजनीतिक जोखिम जैसी चुनौतियों का समाधान करना आवश्यक होगा। इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए भारत अपने वैश्विक आर्थिक रुतबे को और मजबूत कर सकता है और अपने नागरिकों के लिए समावेशी और सतत वृद्धि सुनिश्चित कर सकता है। आने वाले वर्षों में भारत का भविष्य निर्णायक रूप से आकार लिया जाएगा और सही नीतियों और रणनीतियों के साथ यह देश अपनी आर्थिक संभावनाओं को हासिल कर सकता है और वैश्विक समृद्धि में योगदान कर सकता है।

-राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

भारत-पाक सीमा पर बी.एस.एफ. ने ''ऑपरेशन सर्द हवा'' शुरू किया

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान से सटी करीब 1000 किलोमीटर लंबी भारत-पाक सीमा पर ऑपरेशन अलर्ट (सर्द हवा) शुरू हो गया है। खुफिया एजेंसियों ने आशंका जाहिर की है कि 26 जनवरी को देखते हुए सीमा पार से आतंकी घुसपैठ कर सकते हैं। इसे देखते हुए बॉर्डर पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

ऑपरेशन अलर्ट के तहत सेक्टर मुख्यालय से भी जवानों को सीमा पर तैनात किया गया है सभी बटालियन के अधिकारी भी सीमा पर पहुंच गए हैं। हर 500 मीटर पर जवान तैनात किए गए हैं। ओपी टावर पर दो-दो जवान तैनात किए गए हैं। एक सप्ताह चलने वाले इस ऑपरेशन के दौरान गांवों सीमाएं भी सील रहेंगी। गांवों में नाके लगाए जाएंगे। हर गाड़ी को चेक किया जाएगा। होटलों की नियमित चेकिंग होगी। बाहरी वाहन और लोगों पर विशेष नजर रहेगी। इस कड़ाके की ठंड में जब जनता रजाइयों में दुबकी रहती है बीएसएफ के जवान बॉर्डर की सुरक्षा करते हैं। ड्रोन से हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी रोकना बीएसएफ के लिए चुनौती बनी हुई है। पिछले दिनों अनूपगढ़ क्षेत्र में पाक तस्करों ने ड्रोन से हथियार गिराए गए थे। उसके बाद से ही बीएसएफ बॉर्डर पर हाई अलर्ट मोड पर है। खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि 26 जनवरी पर विध्वंस फैलाने के उद्देश्य से आतंकी घुसपैठ कर सकते हैं या भारी मात्रा में हथियार और मादक पदार्थ भेज सकते हैं। इसे देखते हुए बॉर्डर पर चप्पे-चप्पे पर निगरानी की जा रही है। बॉर्डर पर सीसीटीवी कैमरे लगने के बाद चौकसी और भी आसान हो गई है। हर बीओपी पर कंट्रोल रूम से तारबंदी पार पाकिस्तान में 500 मीटर तक नजर रखी जा रही है। सीमा पार पाक रेंजर्स की हरकत दिखाई देने पर कंट्रोल रूम से तत्काल कमांडेंट और अन्य अधिकारियों तक मैसेज जाता है।

ड्रोन से हीरोइन और हथियार तस्करी को रोकने के लिए व्हीकल माउंटेड एंटी ड्रोन सिस्टम को भी अलर्ट कर दिया गया है। इसके लिए दो तरह के वाहन तैयार किए गए हैं जिन पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगाया गया है। इन दोनों गाड़ियों पर करीब 10 जवान हथियारों से लैस होकर सीमा चौकी से 10 किलोमीटर तक के दायरे में 24 घंटे रेकी करेंगे। पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय सीमा में 6 किलोमीटर तक उड़ान भरकर हथियार और मादक पदार्थ गिरा कर चले जाते हैं। बॉर्डर पर ऑपरेशन अलर्ट को देखते हुए बीएसएफ ने सीमावर्ती गांव में भी सर्विलांस सिस्टम को एक्टिवेट कर दिया है। ग्राम रक्षक समितियों को भी अलर्ट किया गया है। ग्रामीणों से कहा जा रहा है कि संदिग्ध दिखाई देने वाले किसी भी व्यक्ति या वस्तु के बारे में तत्काल पुलिस थाना या बीएसएफ चौकी पर सूचना दें।

लिव-इन में रहने वाली महिला को पति से गुजारा भत्ता नहीं मिलेगा, याचिका खारिज

जोधपुर, (कासं)। लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली शादीशुदा महिला को उसके पति से गुजारा भत्ता नहीं मिलेगा। जोधपुर फैमिली कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते हुए ये फैसला सुनाया है।

जानकारी के अनुसार सूंथला निवासी एक महिला ने पारिवारिक कोर्ट में घरेलू हिंसा का परिवाद पेश किया था। महिला ने कहा था कि वह लंबे समय से पति से अलग रह रही है। नागौर के कुचेरा निवासी उसके पति का बिजनेस है। उसकी हर महीने की इनकम करीब सवा लाख रुपए है, इसलिए उसे तीस हजार रुपए मासिक भरण-पोषण दिलाया जाए।

महिला के पति के वकील ने कहा कि महिला ने खुद दौसा एसपी को उसका खर्च संबंधित व्यक्ति के द्वारा उठाने की जानकारी दी थी। पुलिस

■ जोधपुर फैमिली कोर्ट ने खारिज की महिला की याचिका

जांच में महिला का राजकुमार नामक व्यक्ति के साथ रिलेशनशिप में रहना पाया है। खुद महिला ने भी संबंधित कोर्ट में हुए बयानों में भी लिव-इन रिलेशनशिप को स्वीकार किया। उसका खर्च राजकुमार उठा रहा है।

वहीं पति से भरण-पोषण की मांग करते हुए दायर परिवाद में महिला ने कहा कि वह कोई काम नहीं जानती। वह पीहर पक्ष पर आश्रित है और पीहर पक्ष की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। पीहर पक्ष लंबे समय तक उसका भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है, इसलिए वह उन पर ज्यादा दिनों तक बोझ नहीं बने रहना चाहती है, इसलिए उसे भरण-पोषण दिलाया जाए।

सुनवाई करते हुए पारिवारिक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी दलपत सिंह राजपुरोहित ने महिला की मांग को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस केस में दूसरे व्यक्ति की ओर से महिला का खर्चा उठाए जाने के साक्ष्य मौजूद हैं। ऐसे में महिला को पहले पति से भरण-पोषण पाने का अधिकार नहीं है।

राशिफल शुक्रवार 24 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, अनुराधा नक्षत्र शनिवार प्रात: 5:08 तक, वृद्धि योग शुक्रवार प्रात: 5:08 तक, विष्टि करण सायं 7:26 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मिथुन, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। भद्रा सायं 7:26 तक है। बुध मकर राशि में सायं 7:39 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:39 तक, लाभ-अमृत 8:39 से 11:19 तक, शुभ 12:39 से 1:59 तक, चर 4:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:58

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वृष
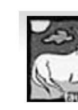
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कर्क

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

मकर

आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण हो सभी स्वीकृत निर्माण कार्य : कलक्टर

राजसमन्द, । जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा गुरुवार को नाथद्वारा उपखंड क्षेत्र में मैराथन दौरे पर रहे। उन्होंने नाथद्वारा जिला चिकित्सालय में पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ डीएमएफ्टी के तहत स्वीकृत प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण किया। कलक्टर उपली ओडन में निर्माणाधीन राजकीय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक एकीकृत महाविद्यालय पहुंचे और निर्माण कार्य को समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें बिल्डिंग प्लानिंग को मैप पर व्यवस्थित रूप से बताया। कलक्टर ने कहा कि कार्य जल्द पूर्ण हो जिससे क्षेत्र के लोगों को लाभ मिल सकें। इसके बाद जिला कलक्टर खमनोर पहुंचे जहां उन्होंने राजीविका स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा बनाई जा रही मोलेला मृण शिल्प की कलाकृतियां देखी। महिलाओं से विभिन्न तैयार उत्पादों, मूर्तियों आदि को दिखा कर आय-व्यय, खर्च आदि के संबंध में बताया। यहां जिला कलक्टर ने महिलाओं के साथ बैठ कर सशक्तिकरण और आर्थिक संबलन की दिशा में की जा रही गतिविधियों को लेकर विस्तार से जानकारी लेते हुए हर संभव प्रोत्साहन के लिए आश्वस्त किया। जिला कलक्टर बिल्ली की भागल में मेडीटूरिजम एंड वेलनेस सेंटर के कार्य भी देखने पहुंचे और समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सेमा ग्राम पंचायत कार्यालय का औचक निरीक्षण पर कार्यालय की व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने यहां वाचनालय एवं पुस्तकालय में आए विद्यार्थियों से चर्चा के साथ-साथ ग्रामवासियों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही निस्तारण के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने जिला कलक्टर को विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया।

एनएच 162 ई के कार्यों का किया निरीक्षण जिला कलक्टर असावा ने नेशनल हाइवे 162 ई के प्रगतिरत कार्य का औचक निरीक्षण कर मौके पर मौजूद एनएच के अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए। कलक्टर ने यहां सडक निर्माण को लेकर सभी तकनीकी पहलुओं की समीक्षा करते हुए चर्चा की। उन्होंने विशेष तौर पर ट्राफिक मैनेजमेंट को व्यवस्थित करने और आमजन को परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। कलक्टर ने कहा कि निर्माण कार्य के बीच आमजन की आवाजाही प्रभावित न हो और ट्रैफिक सुचारु रूप से चले। एनएच के अधिकारियों ने बताया कि इस हाइवे का कार्य 27 सितंबर 2०25 तक पूर्ण होना है। कलक्टर ने कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राजसमन्द, 23 जनवरी। जिले की राउमावि बिजनोल में कोठारिया चौकी प्रभारी एएसआई लक्ष्मणसिंह ने विद्यार्थियों और ग्रामीणों को साइबर अपराध से बचाव के 11 महत्वपूर्ण उपाय बताएं। उन्होंने लोगों को अनजान लिंक, ओटीपी और कॉल से सावधान रहने की सलाह दी। लक्ष्मणसिंह ने बताया कि साइबर अपराधी अक्सर लोगों को धोखा देने के लिए प्रलोभन देते हैं। इसलिए किसी भी तरह के प्रलोभन में न आएं और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 193० पर दें। प्राचार्य मनोज मानव ने भी एक साइबर अपराध की घटना साझा की और लोगों को सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उपप्राचार्य श्याम सुंदर झंवर, शिक्षक अर्जुनसिंह चौधरी, नारायण लाल गाडरी, गिरिराज जोशी, सुमन चारण, जितेंद्र व्यास, चेतना चौधरी, ओम प्रकाश मीणा, विनोद कुमार, प्रियंका अवस्थी, सायरा मिर्जा, लक्ष्मी सनाढ्य, मंजु वर्मा एवं उषा सनाढ्य सहित विद्यार्थी मौजूद थे। संचालन कैरियर प्रभारी भरत कुमार शर्मा ने किया।

साइबर अपराध से बचने के उपाय : अनजान लिंक ओपन न करें, ओटीपी शेयर न करें, प्रलोभन में न आएं, अनजान वीडियो कॉल रिसीव न करें, साइबर ठगी होने पर तुरंत 193० पर सूचना दें, बैंक या पुलिस वाले मोबाइल पर जानकारी नहीं मांगते, इंस्टाग्राम पर अनजान लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट न भेजें या स्वीकार न करें, 91 के अलावा अन्य अंतरराष्ट्रीय कॉल रिसीव न करें, अंतरराष्ट्रीय कॉल आने पर 193० पर शिकायत दर्ज करें, पुलिस वाले बनकर पैसे मांगने वालों से सावधान रहें, लडकियां परेशानी होने पर माता-पिता को बताएं।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक (बिजली), उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्य के लिये दी गई तिथि को 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या :** मं.रे.प्र. (बि.) -23-24-25 **कार्य का नाम** : All Div.: Repair and maintenance of electrical assets of ZRTI campus including Holiday Home & Swaroop Sagar colony for two year at Udaipur. **अनुमानित लागत** : रू. 49,83,489/-**बयाना राशि** :रू. 99,700/- **ई निविदायें बंद होने की तिथि** : 13.02.25 उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट का पता : **www.ireps.gov.in**

96-DR/25

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

निकिता को अब मिलेगी नौ वर्षों से अटकी हुई पालनहार योजना की राशि

राजसमन्द, । जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा के निर्देशन में प्रशासन द्वारा जरूरतमंद लोगों के पात्र और लंबित कार्य त्वरित गति से पूर्ण होने का सिलसिला जारी है। कलक्टर असावा के निर्देशन में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने एक बच्चीं का नौ वर्ष से अटका हुआ पालनहार योजना का लाभ स्वीकृत किया है। लाभ स्वीकृत होने के बाद कलक्टर ने अपने चैंबर में बालिका और उसके दादाजी से मुलाकात की।

कलक्टर ने बालिका निकिता से उसकी पढाई और करियर पर काफी देर चर्चा की और प्रशासन की ओर से पात्रता अनुसार हर सहयोग का भरोसा दिलाया। बालिका भी जिला कलक्टर से मिलकर गदगद दिखी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक दीपेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि कुंभलगढ तहसील के ग्राम गिटोरिया निवासी सीता खटीक पत्नी भैरूलाल खटीक की बालिका निकिता को पिछले 9 साल से पालनहार का लाभ नहीं मिल रहा था। सीता एवं बालिका द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कार्यालय में सम्पर्क करने पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजपाल सिंह राठौड द्वारा पोर्टल पर बालिका का आवेदन जांच करने पर ज्ञात हुआ कि बालिका निकिता का वर्ष 2०17 में पालनहार श्रेणी में नवीन संतान में आवेदन किया गया था परन्तु आवेदन में आपत्ति होने तथा निर्धारित समय पर आपत्ति दूर नहीं करने के कारण आवेदन स्वतः निरस्त हो गया था। इसके बाद संबंधित ई-मित्र बंद होने के कारण पुनः आवेदन नहीं हो पा रहा था, जिसके कारण बालिका को पालनहार का आर्थिक लाभ नहीं मिल पा रहा था। शिकायत मिलने पर जिला कलक्टर के निर्देशन में बालिका के विभिन्न विद्यालयों में विगत 9 वर्षों से नियमित अध्ययनरत होने के प्रमाण-पत्र प्राप्त किया गया। इसके बाद बालिका का पुरानी ई-मित्र आईडी चेंज कर नजदीकी ई-मित्र केन्द्र से आवेदन करवाकर बालिका की वर्ष 2०17 से अभी तक वित्तीय स्वीकृति जारी कर की गई। अब बालिका को वर्ष 2०17 से अभी तक की बकाया पालनहार की आर्थिक सहायता मिल पाउगी।

College of Veterinary and Animal Science,Navania

[under Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences (RAJUVAS)]

Navania, Vallabhnagar-313601, Udaipur (Rajasthan)

No. :- F. ( )/CVAS/Purch./Tender/2024-25/155 Date :- 22/01/2025

Open Tender Notice OGT- 04 (2024-25)

Sealed Tenders are invited from eligible original manufacturers / distributors for open general tender in Two Bid system (separate Technical Bid and Price Bid) for the supply and services of "Books, Journals and Service Record Binding etc.". Tender application will be open for submission from 24.01.2025 to 01.02.2025 (12.00 PM) and after this bids will be opened by tender opening committee at CVAS on (01.02.2025) at 02.30 PM onwards.

Detailed Terms & Conditions for the tender are available on State Procurement Portal website **http://www.sppp.raj.nic.in** and University website **www.rajuvas.org.** The Dean, CVAS, holds right to reject one or more tender. The Bids / Tenders not fulfilling prescribed terms & conditions or submitted after due date shall be rejected

For this E-tender **UBN No. : VAU2425SSRC00123.**

Raj.Samwad/C/24/10700 DEAN

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई स्लीपर बस, 21 यात्री घायल

गोवंश को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा, पुलिस मौके पर पहुंची

नदबई, (निसं)। आगरा-जयपुर राजमार्ग पर डहरा मोड़ के समीप गुरुवार तड़के करीब तीन बजे बेसहारा गोवंश को बचाने की जुगत में सड़क किनारे खड़े ट्रक से स्लीपर बस की भिड़ंत हो गई, जिसके चलते बस में सवार करीब 21 जने घायल हो गए।

हादसे के दौरान तेज धमाका होने व बस में सवार यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर डहरा मोड़ चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंची और घायलों को मशक्कत कर बस से निकाला। बाद में डहरा मोड़, नदबई, बांसी 108 एम्बूलेंस व हाइवे एम्बूलेंस से 15 घायलों को जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जबकि, छह अन्य घायलों का मौके पर ही प्राथमिक उपचार किया गया। उधर, स्लीपर बस को ट्रक से टकराने के बाद सड़क के बीच डिवाइडर पर चढ़ने से राजमार्ग पर वाहनों का संचालन बाधित हो गया। बाद में पुलिस ने क्रेन की सहायता से स्लीपर बस को हटाते हुए करीब आधा घण्टे बाद वाहनों का संचालन शुरु कराते हुए दोनों वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से कब्जे में ले लिया।

जानकारी के अनुसार धौलपुर निवासी बस चालक दयाशंकर शर्मा पुत्र बाबूलाल शर्मा व परिचालक राजा पुत्र फरीदा, बस में जयपुर से सवारी लेकर धौलपुर जा रहा। इसी दौरान डहरामोड़ के समीप सड़क पर घूम रहे गोवंश को बचाने की जुगत में बस की सड़क किनारे खड़े ट्रक से भिड़ंत हो गई, जिसके चलते चालक-परिचालक सहित बस में सवार करीब 21 जने घायल हो गए। उधर, देर रात अचानक हुए हादसे से बस में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। डीजल खत्म होने के चलते ट्रक सड़क किनारे खड़ा हुआ था, हालांकि, इस संदर्भ में देर शाम तक पुलिस में मामला दर्ज नहीं हुआ।

हादसे में बस के आगे का हिस्सा चकनाचूर हो गया।

■ **15 घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, एक जयपुर रैफर**

हादसे में चालक दयाशंकर शर्मा व परिचालक राजा सहित बस में सवार धौलपुर निवासी सर्वेश पत्नी केशव कुशवाह, जयवीर ठाकुर पुत्र दीनानाथ, वीकेश जाटव पुत्र रामलाल जाटव, नसीम पत्नी खलील, शाहरुख पुत्र खलील, अरुण पुत्र जगराम एवं आगरा निवासी राजू सिंह पुत्र शिवगणेश, आकाश प्रजापत पुत्र प्रेमसिंह, जलसिंह पुत्र मानसिंह, रविन्द्र पुत्र राजेन्द्र सिंह, योगेश पुत्र मांगेलाल, कुंवरपाल पुत्र जसवंत, बच्चन सिंह पुत्र अशरफी घायल हो गए। हादसे में घायल चालक को गंभीर स्थिति में जयपुर रैफर किया गया जबकि, छह अन्य घायलों का चिकित्साकर्मियों ने मौके पर ही प्राथमिक उपचार किया।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे जोधपुर पहुंची

■ **राजे ने शेरगढ़ विधायक पुत्र की शादी में शिकरत की**

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जोधपुर पहुंची। यहां एयरपोर्ट पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजे का स्वागत किया। वसुंधरा राजे विशेष तौर पर शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ के पुत्र के विवाह के बाद आयोजित आशीर्वाद समारोह में शिरकत करने के लिए पहुंची है।

एयरपोर्ट पर राज्य सरकार के पूर्व मंत्री अर्जुनलाल गर्ग, शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़, जेडीए के पूर्व चेयरमैन डॉ. महेंद्र सिंह, भाजपा नेता सुनील सीरवी, नरेश सुराणा, नरेंद्र कच्छवाहा, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष भोपाल सिंह बडला ने राजे की अगवानी की। वसुंधरा राजे के एयरपोर्ट से बाहर निकलने के साथ नारे लगे और फूल मालाओं के साथ दुपट्टे पहनाकर वसुंधरा राजे का स्वागत किया गया। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए राजे ने 144 साल बाद कुंभ के बने संयोग का जिक्र किया और अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या राजमाता विजय राजे सिंधिया की पुण्यतिथि है। राजमाता विजय राजे सिंधिया की पुण्यतिथि के अवसर पर जब दर्शन होंगे तो उसका विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भाजपा की सरकार विकास के काम एक साल से लगातार कर रही है लेकिन राजस्थान में विपक्ष नाम की कोई चीज नहीं है।

'विपक्ष बिना मुद्दों के मुद्दे तलाश रहा है'

जोधपुर, (कासं)। पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ का कहना है कि विपक्ष बिना मुद्दों के मुद्दे तलाश रहा है। उनके पास में मुद्दे नहीं है। प्रदेश की सरकार एक साल से अच्छा कार्य कर रही है। पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ गुरुवार को जोधपुर में शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ के पुत्र की शादी में शरीक होने आए और यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

पूर्व प्रतिपक्ष नेता राठौड़ ने यह भी कहा कि स्कूलों को मर्ज नहीं किया गया है, जिन स्कूलों में शुन्यता है उन्हें नजदीक की अन्य स्कूल में अनुपातिक रूप से ठीक किया गया है। स्कूलों को समाप्त नहीं किया गया है। वहीं एक सवाल पर उन्होंने कहा कि विपक्ष मुद्दें तलाश रहा है। इसलिए वे बिना मुद्दों के बात कहते हैं। प्रदेश की सरकार एक साल से अच्छा कार्य कर रही है। मंत्रिमंडल विस्तार का कार्य मुख्यमंत्री स्वविवेक आधारित है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड नाथद्वारा जिला राजसमन्द राजस्थान

क्रमांक : 13 दिनांक : 14.01.2025

निविदा सूचना संख्या - 11/2024-25

NIB-PWD2425A3295

नवीन सड़को एवं भवनों के निर्माण कार्य हेतु ईच्छुक संवेदको से निविदा दिनांक 29.01.2025 सायं 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा के सम्बन्ध में अन्य विवरण उपापन वेबसाईट (http://www.eproc.rajasthan.gov.in और http://www.sppp.rajasthan.gov.in) पर देखा जा सकता है। उपापन की कुल अनुमानित राशि 210.00 लाख रुपया है।

S.No.of Work	UBN No.	S.No.of Work	UBN No.
1	PWD2425WSOB13750	2	PWD2425WSOB13751

(भानु प्रकाश माथुर)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड नाथद्वारा

DIPR/C/743/2025

OFFICE OF THE PRINCIPAL, RNT MEDICAL COLLEGE & CONTROLLER ASSOCIATED GROUP OF HOSPITALS, UDAIPUR (RAJ.)

No. RNT/Pur-I/F.16/(e-Tendering Proc)/2024-25/756 Dated: 14.01.2025

Notice Inviting Bid No.18/2024-25(e-Tender)

Bids for Medical Equipments are invited from interested bidders upto Date: 27.01.2025 Time: 10.30 AM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.
UBN- MCU2425GLOB00153, MCU2425GLOB00154, MCU2425GSOB00155, MCU2425GSOB00156, MCU2425GLOB00157, MCU2425GLOB00158, MCU2425GLOB00159

(Dr. Vicin Mathur)
PRINCIPAL & CONTROLLER

DIPR/C/789/2025

कार्यालय (वि0) नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)

क्रमांकः– ननिको द./वि0/2025/1131–1136 दिनांक 22.01.2025

–:: संशोधित ई–निविदा सूचना ::–

तकनीकी कारण से इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा क्रमांक ननिको द./वि0/2025/1121–1126 दिनांक 15.01.2025 को जारी की गई निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है –

1. निविदा अपलोड करने की तिथि : 03.02.2025 (दोपहर 12 बजे तक)
2. धरोहर राशि/निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त के साक्ष्य प्राप्ती तिथि : 03.02.2025 (सायं 5 बजे तक)
3. निविदा तकनीकी बिड खोलने की तिथि : 05.02.2025 (सायं 6 बजे तक)
4. वित्तिय बिड खोलने की तिथि : तकनीकी बिड परिक्षण पश्चात्

उक्तानुसार निविदा की तिथि बढाई जाती है। शेष शर्ते यथावत् रहेगी।

अधिशाषी अभियंता (वि0)
नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/24/10725

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

रजि. ऑफिस– विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर–302005
Website:http://energy.rajasthan.gov.org/jvvnl
कार्यालय मुख्य अभियन्ता (कोटा संभाग)
नयापुरा पॉवर हाऊस, खाई रोड, कोटा– 324001 दूरभाष नं. 0744– 2320881, 2450066 ईमेलः– zcekz@jvvnl.org

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा दो भागों में तकनीकी–वाणिज्यिक,जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के झालावाड़वृत में उपखण्ड सहायक अभियन्ता(पवस) सारोलाकलां के अन्तर्गत 132 केवी सारोलाकलां जीएसएस से स्वीकृत 33/11 केवी सब स्टेशन चंदलिया से होते हुए स्वीकृत 33/11 केवी सब स्टेशन अकावद तक28 किमी 33 केवी लाइन (परवन प्राजेक्ट के अंतर्गत) कार्य करने हेतु (टीएन 43) (2024–25) एआरसी पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर डिपोज़िट वर्क के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। (VVN2425WSOB01043). योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई–प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 28.01.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई–पोर्टल पर दिनांक 06.02.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & **http://www.eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।

जेपीआर–2945 (2025)
राज.संवाद/सी/24/10742

संभागीय मुख्य अभियंता (कोटा संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

युवक का शव मिला

भरतपुर, (निसं)। थाना भुसावर के गांव हाथौड़ी स्थित राजशाही कुंड में युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची भुसावर थाना पुलिस ने लोगों की मदद से युवक के शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए भुसावर की मोर्चरी में रखवाया। थानाधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि थाना के गांव हाथौड़ी निवासी बने सिंह पुत्र लालचंद गुर्जर जो गांव के ही कुंड में नहाने गया था, डूबने से मौत होने की जानकारी प्राप्त हुई जिस पर तुरंत मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए मोर्चरी पर रखवाया, जहां परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कार्रवाई कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

रिश्वत की मांग करने व लेने के मामले में कोर्ट ने सजा सुनाई

■ **पं. स. आसींद के पूर्व जेटीए व ग्राम पंचायत जगपुरा के तत्कालीन ग्रामसेवक पदेन सचिव को सजा सुनाई**

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश (एसीबी कोर्ट) पवन कुमार सिंघल ने पंचायत समिति आसींद के पूर्व जेटीए कैलाशचंद्र शर्मा व ग्राम पंचायत जगपुरा के तत्कालीन ग्रामसेवक पदेन सचिव अहसान मोहम्मद को रिश्वत की मांग करने व लेने के मामले में दो-दो साल की सजा और 2525 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया है।

प्रकरण के अनुसार, जगपुरा निवासी परिवादी कैलाशचंद्र मेघवंशी ने एसीबी के तत्कालीन एएसपी भीमसिंह बीका को प्रार्थना-पत्र दिया कि उसके पिता के नाम गांव में नरेगा के तहत खेत में मेड़बंदी, जैविक बाड़ व बागवानी विकास और तालाब की मिट्टी खेत में डालने के कार्य के लिए जिला परिषद से 1 लाख 77 हजार रुपये स्वीकृत हुआ था। उक्त कार्यादेश 7 फरवरी 2011 को पंचायत समिति आसींद से जारी किया जा चुका है। खेत में उक्त कार्य मस्टरोल से पूर्ण करवाया जा चुका है। परिवादी द्वारा कार्य का भुगतान करने के लिए ग्राम सचिव अहसान खान व जेटीए कैलाशचंद्र शर्मा से मिला तो उन्होंने कहा कि 20 हजार रुपये रिश्वत के एवज में बिल पास करने की बात कही। इस पर परिवादी ने करीब एक वर्ष पूर्व जेटीए कैलाशचंद्र शर्मा को सात हजार रुपये दिये। इस पर जेटीए ने कहा कि अभी 24 हजार का बिल बनवा रहा हूं। बाद में होगा जो बिल बना दूंगा।

परिवादी ने एसीबी को दी शिकायत में बताया कि उसने खेत पर संपूर्ण कार्य करवा दिया। इस कार्य की शेष राशि 1 लाख 77 हजार रुपये का भुगतान करने के लिए परिवादी जेटीए शर्मा से मिला तो उन्होंने बिल के भुगतान के लिए 20 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। कहा कि 20 हजार रुपये सचिव खान को दे देना। परिवादी ने शिकायत में बताया कि वह इन दोनों को रिश्वत नहीं देकर रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों पकड़वाना चाहता है। परिवादी की शिकायत का एसीबी ने सत्यापन करवाया। सत्यापन होने के बाद ट्रैप का आयोजन किया। परिवादी को आरोपित के किराये के मकान पर भेजा। परिवादी का इशारा पाकर एसीबी टीम मौके पर पहुंची, जहां जेटीए शर्मा व सचिव बैठे थे। परिवादी ने एसीबी टीम को बताया कि उसके पिता गिरधारी लाल के खेत पर करवाये गये कार्य के रुपये का इंद्राज माप पुस्तिका में दर्ज कर भुगतान करवाने की एवज में उससे 10 हजार रुपये जेटीए कैलाशचंद्र शर्मा ने मांग कर अहसान मोहम्मद को दिलवाये हैं। एसीबी ने जेटीए शर्मा को खेत पर कराये गये कार्य के रुपयों का इंद्राज माप पुस्तिका में दर्ज करने व ग्राम सेवक एवं पदेन सचिव अहसान को उक्त कार्य का भुगतान करवाने की एवज में 20 हजार रुपये की मांग कर 10 हजार रुपये प्राप्त कर जेटीए शर्मा को देने के आरोप में गिरफ्तार कर राशि बरामद कर ली।

एसीबी ने मामले की जांच कर लसाड़िया निवासी और पंचायत समिति आसींद के पूर्व जेटीए कैलाशचंद्र पुत्र नारायणलाल शर्मा व तेलीपाड़ा गुलाबपुरा निवासी और ग्राम पंचायत जगपुरा के तत्कालीन ग्राम सेवक पदेन सचिव अहसान मोहम्मद के खिलाफ चार्जशीट न्यायालय में पेश की।

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी(ML 02)/2025/ई-09834

ई-नीलामी विज्ञिप्त

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत निम्नांकित एम-सेण्ड तथा गेप प्लॉटो के आंवटन ई-नीलामी के माध्यम से किये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज	कुल प्लॉट
धौलपुर	सरमथुरा	कछपुरा	सेण्डस्टोन	6
झालावाड़	पचपहाड़	रूणजी	लाइमस्टोन (डायमेन्शनल) व मेसेनरी स्टोन	1
ब्यावर	रायपुर	सुमेल	क्वार्टज-फैल्सपार	2
बीकानेर	कोलायत	किश्नायतबुद्धान	बॉल क्ले, सिलिकासेण्ड, बजरी, कंकर व मुर्रम	2
बून्दी	तालेड़ा	धनेश्वर	सेण्डस्टोन एवं खण्डा (मेसेनरी स्टोन)	1
कोटा	चेचट	चेचट	लाईमस्टोन (डाईमेन्शनल), मेसेनरी स्टोन	2
सिरोही	सिरोही	फलवदी	ग्रेनाईट	13
चित्तौड़गढ़	भदेसर	मगरदा	चायना क्ले, मेसेनरी स्टोन (क्वार्टजाईट)	1
		भीमलोद	चाईना क्ले, क्वार्टजाइट एवं मेसेनरी स्टोन	1
		सोमावास	चायना क्ले, क्वार्टजाईट व मेसेनरी स्टोन	1
	गंगरार	अमरपुरा	ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	17
भीलवाड़ा	बनेड़ा	रूपाहेली खुर्द	ग्रेनाईट	5
	माण्डल	रूपाहेली खुर्द	ग्रेनाईट, क्वार्टज फेल्सपार	1
	हमीरगढ़	दलेलसिंहजी का खेड़ा	चायना क्ले, मेसेनरी स्टोन (क्वार्टजाईट)	1
	रायपुर	नाथड़ियास	क्वार्टज फेल्सपार, माईका	1
	आसींद	ईन्द्रपुरा	ग्रेनाईट	11
			ग्रेनाईट व क्वार्टज	1
		कटार	ग्रेनाईट	10
		दौलतगढ	ग्रेनाईट	3
		जोधा का खेडा	ग्रेनाईट, क्वार्टज व मेसेनरी स्टोन	7
प्रतापगढ़	धरियावाद	लोहागढ़	मारबल	3
राजसमंद	राजसमंद	दोवड़	क्वार्टज फेल्सपार व ग्रेनाईट	1
	आमेट	काजीगुढा	क्वार्टज फेल्सपार, ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	2
डूंगरपुर	डूंगरपुर	दामड़ी	मेसेनरी स्टोन	3
डीडवाना-कुचामन	डीडवाना	कोलिया	मेसेनरी स्टोन	15
उदयपुर	मावली	चन्देसरा	मेसेनरी स्टोन	5
	नयागांव	महीडा	मेसेनरी स्टोन	2
डूंगरपुर	दोवडा	फलोज	मेसेनरी स्टोन	1
दौसा	सिकराय	कालवान	मेसेनरी स्टोन	1
जयपुर	दूदू	साखून	ग्रेनाईट एवं मेसेनरी स्टोन	2
	जालसू (आमेर)	दादर	मेसेनरी स्टोन	1
जोधपुर	औसिया	पाबूनगर	मेसेनरी स्टोन	27
जैसलमेर	जैसलमेर	हडडा	लाइमस्टोन (डाइमेन्सनल)	15
नागौर	मुण्डवा	पालडीव्यासा	मेसेनरी स्टोन	23
	मूण्डवा	पालडीव्यासा	मेसेनरी स्टोन	30
	रियाबडी	पिपलिया	ग्रेनाईट	6
	लाडनूं	बाकलिया	मेसेनरी स्टोन	7
टोंक	मालपुरा	फूलमालियान	ग्रेनाईन	13
अजमेर	भिनाय	रामालिया	ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	13
	सावर	सावर	मारबल	2
अलवर	थानागाजी	डेरा	मेसेनरी स्टोन	2
योग				261

विशेष नोट -

1 प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd. की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

(भगवती प्रसाद) IAS निदेशक

DIPR/C/750/2025

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी युवक को दस साल की सजा सुनाई

श्रीगंगानगर, (निसं)। साढ़े तेरह साल की किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म करने के दोषी पाए गए युवक को 10 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई गई है। यह फैसला पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत संख्या एक के न्यायाधीश सुरेंद्र खरे ने सुनाया। दोषी पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। न्यायालय के लोक अभियोजक हरवीरसिंह बराड़ ने बताया कि यूपी के इटावा जिला के वनकटी खुर्द गांव निवासी 20 वर्षीय राहुल कुमार कोहली पुत्र श्यामसुंदर को यह सजा सुनाई गई है। यह मुकदमा जैतसर थाने में 15 नवंबर 2023 को पीड़ित किशोरी की मां ने दर्ज करवाया था। दोषी युवक किशोरी का अपहरण करके ले गया था। किशोरी को धौलपुर के राजाखेड़ा स्थित एक ईंट भट्ठा की कॉलोनी से बरामद करके लाया गया था। किशोरी ने पुलिस और मजिस्ट्रेट ब्यानों में युवक पर अपहरण करके ले जाने और बार-बार दुष्कर्म करने के आरोप दोहराए। इस पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। सुनवाई में युवक के दोषी पाए जाने पर सजा सुनाई गई है।

उल्लेखनीय है कि 13 साल 6 माह की किशोरी के गायब होने के बाद पुलिस को उसकी तलाश में बहुत कोशिश करनी पड़ी। क्योंकि किशोरी के पास मोबाइल फोन नहीं था। किशोरी के परिजनों को किसी पर संदेह भी नहीं था कि उसका अपहरण किसने किया है। इस पर पुलिस ने पहले किशोरी के गांव के आसपास के एरिया में गायब युवक का पता लगाया। फिर उस युवक की तलाश शुरू की। युवक भी शातिर था। उसने भी अपना मोबाइल फोन बंद कर रखा था। उसके गांव इटावा जिले में पुलिस ने छापेमारी की, लेकिन युवक और किशोरी वहां नहीं मिले। इस पर पुलिस ने युवक के जैतसर थाना एरिया में रहते जिन-जिन बाहर के लोगों से फोन पर बातचीत की हुई थी, उन नंबरों की लोकेशन निकालकर तलाश शुरू की, तब जाकर किशोरी को मई 2024 में धौलपुर जिले से बरामद किया जा सका। जब किशोरी को बरामद कर लाया गया, तब वह सात सप्ताह की गर्भवती पाई गई थी। इस संबंध में पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवाकर रिपोर्ट कोर्ट में पेश की थी।

एसपीपी हरवीरसिंह बराड़ ने बताया कि यह मुकदमा जैतसर थाने में 15 नवंबर 2023 को दर्ज हुआ था। पुलिस ने किशोरी को बरामद और आरोपी को मई 2024 में गिरफ्तार किया। इसके बाद 9 जुलाई 2024 को कोर्ट में चालान पेश कर दिया। न्यायालय ने मामले की त्वरित सुनवाई करते हुए 7 माह और 13 दिन बाद फैसला सुनाया। प्रकरण में उनकी तरफ से 23 गवाह पेश किए गए। इसके साथ ही 42 दस्तावेजी साक्ष्य भी पेश किए गए। एसपीपी बराड़ ने बताया कि दोषी ठहराया गया युवक किशोरी को भगाकर ले जाने के दौरान 19 साल का था। वह किशोरी के गांव के निकट ईंट भट्टे पर काम करता था, किशोरी के गांव में मकान किराए पर लेकर रहता था। किशोरी का अपहरण करके व उसे फिरोजाबाद लेकर गया। वहां काफी समय रहने के बाद धौलपुर ले आया। आरोपी गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक अभिरक्षा में था। दोषी पर लगाया गया जुर्माना और प्रतिकर योजना के तहत परिलाभ किशोरी को दिलवाया जाएगा।

जर्जर हो चुके छह दुकानों के छज्जे गिरे, एक घायल

अजमेर, (कासं)। अजमेर के केसरगंज में गुरुवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गोल चक्कर स्थित दयानंद मार्केट में बनी 6 दुकानों के छज्जे भरभराकर गिर गए। हादसे में हलवाई की दुकान पर काम करने वाला एक मजदूर घायल हो गया। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पार्षद, नगर निगम की टीम व पुलिस मौके पर पहुंची।

जानकारी के अनुसार केसरगंज स्थित दयानंद मार्केट गोल चक्कर की छह दुकानों के छज्जे गुरुवार सुबह 6:30 से 7 बजे के बीच धराशाही हो गए। गनीमत यह रही उस समय इन दुकानों के बाहर किसी प्रकार की आवाजाही या भीड़ नहीं थी, जिसके कारण बड़ी जनहानि होने से टल गई हालांकि एक मिठाई वाले की दुकान पर काम करने वाला मजदूर लड़का मामूली रूप से चोटिल हुआ है, जिसे जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया गया। देखते ही देखते वहां पर दुकानदारों की भीड़ लग गई तथा इलाके की पार्षद भारती श्रीवास्तव और केसरगंज पुलिस चौकी के हेड कांस्टेबल भारत सहित नगर निगम और टाटा पावर की टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई।

नगर निगम वार्ड 16 की पार्षद भारती श्रीवास्तव ने बताया कि दयानंद मार्केट स्थित गोल चक्कर में बनी सीताराम पान वाले, गुलाब मेडिकल स्टोर, दूध डेयरी वाले, हलवाई की दुकान सहित दो अन्य दुकानों के छज्जे सुबह टूटकर गिरे हैं। पार्षद श्रीवास्तव ने कहा कि परोपकारिणी सभा इन दुकानों से किराया वसूलती है, दुकानों की रखरखाव की जिम्मेदारी भी सभा के सदस्यों की ही है, लेकिन उनके द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, जिसके कारण यह हादसा घटित हुआ। घटना के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं होने से बड़ी जनहानि नहीं हुई, यही हादसा दोपहर के समय होता कई लोग चपेट में आते।

कपड़ों की दुकान के व्यापारी ने बताया दयानंद मार्केट गोल चक्कर आर्य समाज की संस्था परोपकारिणी सभा को दुकानों को नगर निगम द्वारा दे रखा है, जिसके कारण परोपकारिणी सभा ही इन दुकानों की देखरेख करती है और दुकानदारों से किराया वसूल करती है, लेकिन पिछले लंबे समय से परोपकारिणी सभा के सदस्यों द्वारा दुकानों के बाहर लगे छज्जे जो जर्जर अवस्था में हो चुके हैं, उनका मरम्मत नहीं कराया जा रहा था। कई बार कहा गया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की जिसके चलते आज यह गंभीर हादसा घटित हो गया।

पार्षद श्रीवास्तव ने कहा कि हादसे की सूचना मिलते ही टाटा पावर और नगर निगम की टीम भी मौके पहुंची। नगर निगम के कर्मचारियों ने मलबे को साइड में करवाकर व्यवस्थाएं की। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा इन सभी दुकानों को नोटिस दिया जाएगा, जिससे कि इन दुकानों को सही करवाकर मरम्मत करवाई जा सके। इस हादसे के कारण दुकानों को काफी नुकसान हुआ है। जानकारी मिलने पर क्लॉक टावर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जल संसाधन खण्ड सलूम्बर

जिला सलूम्बर 313 027

क्रमांकः 2608

निविदा सूचना संख्या EE 02 वर्ष 2024-25

(NIB CODE-WRD2425A0413)

दिनांक : 08/01/2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस कार्यालय की निविदा सूचना 02/वर्ष 2024-25 निम्नलिखित कार्यों हेतु आमन्त्रित की जाती है। जल संसाधन विभाग राजस्थान के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं अन्य राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत सगठनो/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में राजस्थान सरकार के "अअ" श्रेणी के समकक्ष पंजीकृत संवेदकों / सम्बन्धित विभागों से पुनरावलोकन किया हुआ हो, से उक्त कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से सिगल कवर में राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के अनुरूप निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से डाउनलोड एवं अपलोड की जावेगी।

क्र. स.	कार्य का नाम	निविदा की लागत (रूपये)	धरोहर राशि (रूपये)		निविदा शुल्क (रूपये) (वर्षा ऋतु एव नहर संचालन सहित)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	Defect Liability Period
			0.50%	2%			
1	2	3	4	5	6	7	
पंचायत समिति-सलूम्बर							
1	Repair and Repairing of Taliya wala Mahuda Anicut in GP Bassi Samchot **WRD2425WSOB01467**	5555055.80	27775/-	111101/-	1000/-	12 Month	Five Year
2	Repair and Renovation of Singhawat Talai Anicut in Village Bassi Singhawat **WRD2425WSOB01469**	3056693.93	15283/-	61134/-	1000/-	12 Month	Five Year
3	Repair and Renovation of Dharod Anicut in village Dharod **WRD2425WSOB01471**	3926470.33	19632/-	78529/-	1000/-	12 Month	Five Year
4	Repair and Renovation of Pipla Vela Anicut in village Dhawdi Mangri **WRD2425WSOB01473**	3484152.48	17421/-	69683/-	1000/-	12 Month	Five Year
5	Repair and Renovation of Kadhaiya Anicut in village Dhawdi Mangri **WRD2425WSOB01475**	2829560.27	14148/-	56591/-	1000/-	12 Month	Five Year
6	Repair and Renovation of Bandli Dhawdi Anicut in village Jailawat Fala **WRD2425WSOB01477**	4395703.94	21979/-	87914/-	1000/-	12 Month	Five Year
पंचायत समिति-सराडा							
7	Repair and Renovation of Anicut 1 (Khareda Anicut) Dhantalai G.P Nimboda The, Sarada District Salumber **WRD2425WSOB01479**	2603207.00	13016/-	52064/-	1000/-	12 Month	Five Year

नियम/शर्ते एवं सामान्य जानकारी निम्नानुसार हैः-

निविदा online वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकेगी। निविदादाताओं को डिजीटल हस्ताक्षर भी इसी वेबसाईट पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

1. निविदा संबंधित अन्य विवरण उक्त वेबसाईट पर देखे जा सकते है।
2. निविदादाता को ई-ग्रास चालान के माध्यम से निविदा शुल्क व प्रोसेसिंग शुल्क तथा धरोहर राशि निम्नानुसार बजट मदो में जमा करवानी होगी :-

निविदा शुल्क राशि (रु. 500 each) : मद 0075-00-800-52-01
प्रोसेसिंग शुल्क (रु. 500 each) : मद 8658-00-102-(16)-02
धरोहर राशि (according coloum no 4&5) : मद 8443-00-108-00-00
Department Code : 47-Water Resources Department
Office Code DDO) : 834, Executive Engineer Water Resources Division Salumber
Rajkosh Code : 718
Division Account Code IRR : IIR 63
Treasury : Salumber

3. उपरोक्तानुसार निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि एवं प्रोसेसिंग शुल्क का ई-ग्रास चालान अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खण्ड सलूम्बर के नाम देय होगा।
4. निविदा प्रपत्र इलेक्ट्रोनिक फारमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर दिनांक 13.01.2025 से 03.02.2025 को सांय 6.00 तक डाउनलोड /अपलोड किये जा सकते है। इलेक्ट्रोनिक फारमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर प्राप्त निविदाओं को अधिशाषी अभियन्ता, जल संसाधन खण्ड, सलूम्बर के कार्यालय में दिनांक 05.02.2025 दोपहर 01:00 बजे खोली जाएगी
5. निविदा में राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2012 नियम 2013 के समस्त नियम एवं शर्तें लागू रहेगी।
6. निविदा खोलने की दिनांक से 90 दिवसों तक निविदा स्वीकृति हेतु मान्य (open) रहेगी।
7. ठेकेदार निविदा प्रस्तुत करने से पूर्व कार्यस्थल की भौगोलिक निरीक्षण एवं निर्माण से सम्बन्धित समस्त परिस्थितियों का स्वयं संज्ञान निश्चित रूप से कर लेवे।
8. किसी भी निविदा को स्वीकार करने एवं बिना कारण बताए निरस्त करने के समस्त अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित है। आर.पी.डब्ल्यू.ए-100 की समस्त शर्ते लागू होगी।
9. वित्त विभाग का परिपत्र दिनांक October 22, 2021 के अनुपालना में कार्यों के निविदा प्रकरणों में बीड दर अनुमानित दर से भी अधिक कम दर प्रस्तुत की जाती है, तो सफल निविदादाताओं को अतिरिक्त कार्य संपादन प्रतिभूति राशि (Unbalance Bid Amount) इस कार्यालय में जमा करानी होगी।

अधिशाषी अभियन्ता
जल संसाधन खण्ड सलूम्बर

DIPR/C/726/2025

डोटासरा झूठ का ढोल है, जिसे कोई भी बजा जाता है : सुरेश सिंह रावत

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा है कि कांग्रेस को राम के नाम से ही चिढ़ है। राजस्थान और मध्यप्रदेश के मध्य नदी जोड़ो परियोजना में राजस्थान के शब्द से "रा" और मध्यप्रदेश के शब्द से "म" लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान की 40 प्रतिशत जनसंख्या को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है।

रावत ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा एक झूठ का ढोल है और उसे कोई भी बजा जाता है। डोटासरा ऐसे झूठ के ढोल से अपनी भद पिटा रहे हैं। उनको अपने गिरेबां में झांकना चाहिए कि पिछले कार्यकाल में उनकी अतिवादी मानसिकता की वजह से आज कांग्रेस की दुर्दशा हुई है और उपचुनाव में भी जनता ने करारी चोट दी है। मंत्री ने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना से 17 जिलों को वर्ष 2054 तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। इस परियोजना में 522 एमसीएम पुनर्चक्रित जल सहित कुल 4.102 मिलियन क्यूबिक मीटर जल उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि एमओए होने से कालीसिंध का 50 प्रतिशत निर्भरता पर जल मिलेगा। यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा साफ है कि पूर्वी राजस्थान की पेयजल एवं सिंचाई समस्या दूर हो।

> ■ 'प्रदेश की जनता पहले ही कांग्रेसियों को आईना दिखा चुकी है'

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दिन-रात राजस्थान के विकास के लिए कार्य कर रहे है। यह कांग्रेसियों को हजम नहीं हो रहा है। क्योंकि होटलों से सरकार चलाने वाले ये लोग कभी जनता की भावना को समझ ही नहीं सकते। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 दिसम्बर 2024 को परियोजना के 10 हजार करोड़ कार्यों का शिलान्यास किया है। अतः कांग्रेसी झूठ की राजनीति से बाहर आए और जनता के हित में काम करें।

विगत कांग्रेस सरकार द्वारा ईआरसीपी को कोई बजट उपलब्ध नहीं कराया गया था ना ही कोई नये कार्य प्रारम्भ किये गये। प्रधानमंत्री के प्रयासों से इस परियोजना को मूर्त रूप दिया गया है।

जयपुर में एच.एम.पी. वायरस के दो मरीज मिले

जयपुर। राजधानी जयपुर में कोविड जैसे ही एच.एम.पी. वायरस के दो पॉजिटिव मरीज मिले हैं। सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती एक महिला और एक पुरुष की जांच में इस वायरस की पुष्टि हुई है।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज की सीनियर प्रोफेसर डॉक्टर भारती मल्होत्रा ने बताया कि अस्पताल में 2 दिन पहले सैंपल जांच के लिए आए थे। इनमें एच.एम.पी. वायरस की पुष्टि हुई है। डॉक्टर भारती मल्होत्रा ने बताया कि सवाई मानसिंह अस्पताल में इस साल के पहले दो केस है। अस्पताल में भर्ती यह दोनों मरीज सांस की बीमारी से पीड़ित हैं। इसके अलावा अन्य दूसरी बीमारियों से भी ग्रसित होने के कारण पिछले दिनों एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती हुए थे। डॉ. मल्होत्रा ने बताया कि इस केस के मामलों की जांच हम पिछले 12-15 साल से करते आ रहे हैं। इस वायरस की अक्टूबर से लेकर मार्च तक प्रभाव ज्यादा रहता है। साल 2024 में अक्टूबर-नवंबर में इस वायरस के 2-2 केस आए थे। इसी तरह शुरुआती सीजन यानी जनवरी, फरवरी और मार्च में 13, 34 और 20 केस डिटेक्ट हुए थे। कुल 71 केस डिटेक्ट हुए थे। इसी तरह साल 2023 में भी इसके 23 से ज्यादा केस जयपुर में डिटेक्ट हुए थे। डॉ. मल्होत्रा ने बताया कि साल 2012-13 में एक स्टडी की गई थी, जिसमें जयपुर समेत आसपास के सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती ऐसे छोटे बच्चे (5 साल तक के) जिनमें सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन से जुड़ी समस्या थी।

सार-समाचार

सड़क सुरक्षा सप्ताह का समापन

जयपुर। भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र संगठन की और से आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह जगतपुरा स्थित पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर में संपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रानु शर्मा ने सड़क सुरक्षा के महत्व परप्रकाश डालते हुए कहा, सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जागरूकता ही इस समस्या का सबसे बड़ा समाधान है। नेहरू युवा केंद्र संगठन के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भुवनेश जैन ने युवाओं को सड़क सुरक्षा के महत्व और अपने जीवन को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा, युवाओं में सही आदतें और जिम्मेदारी की भावना ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी ला सकती है। उन्होंने बताया सप्ताह के दौरान, जयपुर शहर में विभिन्न रैलियों, वर्कशॉप्स और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में हजारों युवाओं ने भाग लेकर शहर के प्रमुख स्थलों पर यातायात को नियंत्रित करने और नागरिकों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने में सहायता की। कार्यक्रम का समापन प्रोफ़ेसर मोनिका खत्री, विभागाध्यक्ष, बीबीए विभाग, डॉ. मनोज गुप्ता, प्रो-उपकुलपति और डॉ. चांदनी कृपलानी, प्रो-उपकुलपति, द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया और सड़क सुरक्षा को जन आंदोलन बनाने के लिए सभी को प्रेरित किया।

किन्नर पर हमला करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। तुंगा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए किन्नर के साथ जानलेवा हमला करने के मामले में मुख्य आरोपित मुस्कान उर्फ चमन किन्नर को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपित मुस्कान उर्फ चमन किन्नर ने एरिया के विवाद को लेकर सुपारी देकर वारदात करवाई थी। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि तुंगा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 23 अक्टूबर 2024 को सिमरन बाई किन्नर निवासी तुंगा पर जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपित मुस्कान उर्फ चमन किन्नर निवासी जयसिंह पुरा खोर जयपुर को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पूर्व में पुलिस दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पीड़ित सिमरन बाई और मुस्कान के बीच बधाई को लेकर एरिया विवाद था। दोनों के बीच फरवरी 2024 में एरिया को लेकर विवाद हो गया। इस पर मुस्कान ने सिमरन के हाथ-पैर तोड़ने की साजिश रची और सुपारी देकर आदमी भेज कर वारदात को अंजाम दिलवाया।

ऑनलाइन स्मैक पहुंचाने वाला दबोचा

जयपुर। मालवीय नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर पूर्व (डीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन फोन पर अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक बदमाश को पकडा है और उसके पास से 4.95 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक और वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया और मोबाइल जब्त किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत मालवीय नगर थाना पुलिस और डीएसटी पूर्व ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले शातिर तस्कर अरविंद कुमार निवासी मंडावा जिला झुंझुनू हाल मुहाना जयपुर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 4.95 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक और वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया और मोबाइल बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित यह स्मैक बगराना से साढ़े तीन हजार रुपये प्रति ग्राम के हिसाब से लाता है और जिसकी छोटी-छोटी पुड़िया बना साढ़े तीन सौ के हिसाब से बेचता है। आरोपित स्मैक की सप्लाई फोन करने पर बताए अनुसार डिलीवरी करता है। यह काम आरोपित पिछले छह माह से करता आ रहा है। पुलिस आरोपित से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ करने में जुटी है।

पिस्तौल दिखाकर युवती से दुष्कर्म

जयपुर। मालवीय नगर थाना इलाके में परिचित युवक द्वारा पिस्तौल दिखाकर एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। वहीं इस मामले की जांच थानाधिकारी संग्राम सिंह कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार झालाना डूंगरी निवासी युवती ने मामला दर्ज कराया कि कुछ समय पहले उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी। इसके बाद दोनों आपस में बातचीत करने लगे। ज्यादातर समय साथ रहने के दौरान आरोपी से मिलना-जुलना लगा रहता था। आरोप है कि आरोपी परिचित ने अकेला पाकर उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर पिस्तौल दिखाकर डराया। ब्लैकमेल कर धमका कर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। थाने में पीड़िता ने आरोपी परिचित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कर्मचारियों पर चोरी करने का आरोप

जयपुर। वैशाली नगर थाना इलाके में एक महिला ने कर्मचारियों पर मकान से जेवरात-नगदी पार करने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार मूलतः उन्नव यूपी हाल वैशाली नगर निवासी विश्व वंदना ने मामला दर्ज करवाया कि उसके घर पर रखी अलमारी से बिना ताला तोड़े किसी ने रुपए व जेवरात पार कर लिए। वह काम पर जाने से पहले हेल्पर प्रवीण को मकान की चाबी देकर जाती है। मेरे काम पर जाने के बाद ही रेणु नाम की महिला सफाई का काम करने आती है। मुझे शक है कि इन दोनों में से ही किसी ने अलमारी से जेवरात-नगदी पार कर की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक से मारपीट कर मोबाइल-पर्स छीना

जयपुर (कासं)। बजाज नगर थाना इलाके में दो बदमाश एक युवक से मारपीट कर पर्स व मोबाइल छीनकर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार अनूपशहर यूपी निवासी अमित कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि वह बाजार से अपने रूम पर जा रहा था टोंक फाटक के पास दो बदमाशों ने उसे रोका और मारपीट कर मोबाइल व पर्स छीनकर ले गए। इस पर पीडित ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू कर दिए है।

साइबर एक्सपर्ट की मदद से चार दिन बाद खुला विवाहिता की मौत का राज

जयपुर। शहर के नामी स्कूल की टीचर के सुसराल में सीढ़ियों से पैर फिसलकर गिरने से मौत के मामले में नया मोड आ गया है। मौत के 4 दिन बाद साइबर एक्सपर्ट से मोबाइल लॉक खुलवाने पर खुद के सुसाइड का पता चला। सुसाइड से 14 घंटे पहले टीचर ने रोते हुए चार वीडियो अपने मोबाइल में बनाए थे। श्याम नगर थाने में मृतका के पिता ने पति व ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि रानी सती नगर निर्माण नगर निवासी सुरेन्द्र कुमार जैन ने दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है। आरोप है कि बेटी मुस्कान जैन (26) की दहेज हत्या के लिए प्रियांश शर्मा, ससुर निर्मल शर्मा व सास मितु शर्मा जिम्मेदार है। गत 9 नवम्बर-2022 को निर्माण नगर श्याम नगर निवासी प्रियांश शर्मा से मुस्कान की शादी हुई थी। जनवरी-2023 में मुस्कान व प्रियांश चंडीगढ़ में रहने लगे थे। तभी से दोनों में दहेज को लेकर अनबन शुरू होगई। परेशान होकर 6 अक्टूबर से 12 नवम्बर 2023 तक मुस्कान पीहर में रही। घर नहीं टूटे इसलिए पति प्रियांश के कहने पर वापस ससुराल चली गई। जनवरी-2024 को मानसरोवर स्थित एक प्राइवेट स्कूल में साइंस पढ़ाने लगी। गत 5 जनवरी को सुबह ससुरालवालों ने गोपालपुरा बाइपास स्थित भण्डारी हॉस्पिटल में एडमिट करवाया। मेडिकल सूचना पर आई पुलिस को बताया गया कि मुस्कान घर में दूसरी मंजिल की सीढ़ियों से फिसल गिर गई थी। हॉस्पिटल में 7 दिन तक वेंटिलेटर पर रहने के बाद 12 जनवरी को रात मुस्कान की मौत हो गई।

पिता सुरेन्द्र कुमार जैन ने बेटी मुस्कान की मौत के बाद उसके मोबाइल का लॉक एक्सपर्ट से खुलवाने को दिया। मौत के चार दिन बाद एक्सपर्ट ने मोबाइल लॉक खोलकर उन्हें दिया। मोबाइल चौक करने पर मुस्कान के सीढ़ियों से फिसलने से मौत नहीं होकर सुसाइड करने का पता चला। घर के आंगन में ही दूसरी मंजिल से मुस्कान ने छलांग लगाई थी। सुसाइड से करीब 14 घंटे पहले उसने अपने मोबाइल में चार वीडियो बनाए थे। गत 4 जनवरी को शाम मुस्कान ने पहला वीडियो बनाया था। मोबाइल में मिले चार वीडियो 23.14 मिनट, 1.23 मिनट, 45 सेकंड और 2 सेकंड का है। उसमें मुस्कान रोते हुए पति प्रियांश शर्मा, सास मितु शर्मा और ससुर निर्मल शर्मा की ओर से की गई प्रताड़ना को बता रही है। आत्महत्या के लिए भी इन तीनों को ही जिम्मेदार बताया है। मृतका के पिता ने श्याम नगर थाने में पति व सास-ससुर के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

कृषि उपज मंडियों में 7 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों को मंजूरी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की विभिन्न कृषि उपज मंडी समितियों में आधारभूत ढांचा विकसित करने के लिए 7 करोड़ 23 लाख से अधिक की लागत के नवीन कार्यों को मंजूरी दी है। इनमें कृषि उपज मंडी समिति पीलीबंगा (हनुमानगढ़) के उप मंडी यार्ड जाखड़ावाली में नवीन निर्माण कार्यों हेतु 3 करोड़ 53 लाख रुपए, कृषि उपज मंडी जोधपुर (फ.स.) में नवीन सब्जी मंडी प्रांगण भदवासिया में पुरानी सीवर लाइन परिवर्तन एवं कार्यालय भवन के विस्तार हेतु 2 करोड़ 16 लाख रुपए एवं विद्युत संबंधी कार्यों के लिए 11 लाख 85 हजार रूपए की मंजूरी दी है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने कृषि विपणन विभाग द्वारा निर्मित सड़कों की मरम्मत एवं रखरखाव कार्यों संबंधी प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

हाईकोर्ट को मिले तीन नए न्यायाधीश, नियुक्ति वारंट जारी

प्रमिल कुमार माथुर

चंद्र प्रकाश श्रीमाली

चंद्र शेखर शर्मा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट को तीन नए न्यायाधीश मिल गए हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से भेजी सिफारिश को मंजूर करते हुए राष्ट्रपति की ओर से न्यायिक अधिकारी कोटे के चंद्रशेखर शर्मा, प्रमिल कुमार माथुर और चन्द्र प्रकाश श्रीमाली के नियुक्ति वारंट जारी किए हैं। तीनों न्यायाधीशों को जल्दी ही हाईकोर्ट जज के तौर पर शपथ दिलाई जाएगी।

प्रमिल कुमार माथुर वर्तमान में हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल हैं। वहीं चंद्र प्रकाश श्रीमाली जयपुर महानगर द्वितीय के जिला एवं सत्र न्यायाधीश हैं। जबकि चन्द्रशेखर शर्मा जोधपुर में डीजे पद पर कार्यरत हैं। इनके शपथ लेने के बाद हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 34 हो जाएगी। हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के कुल 50 पद स्वीकृत हैं। गौरतलब है कि हाईकोर्ट में आज तक कभी भी पूरे 50 पदों पर नियुक्तियां नहीं हो पाई हैं।

'विश्व में लगातार बढ़ रही है भारत की प्रतिष्ठा'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व सीएम गहलोत और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा द्वारा की जा रही बयानबाजी पर पलटवार करते हुए कहा कि भारत की प्रतिष्ठा विदेशों में लगातार बढ़ रही है। इतना ही नहीं, भारत की अर्थव्यवस्था में भी लगातार सुधार हो रहा है और भारत में गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के लिए अनेक योजनाओं का भी लगातार क्रियान्वयन किया जा रहा है। विश्व के 45 से अधिक देशों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वहां के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। इसके बावजूद कांग्रेसी नेताओं को यह नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में गहलोत और इनके नेताओं को अपना चश्मा बदलना चाहिए। गहलोत अभी अपनी ओछी राजनीति से बाहर नहीं निकल पा रहे है, उन्हें बाहर निकलकर दूनिया देखनी चाहिए। वहीं डोटासरा जी तो लगातार बिना बॉल के फुटबॉल खेल रहे है उन्हें पता ही नहीं रहता कि वो क्या कहते है।

पुर्नग्रहण शुल्क लेकर भूखंड़ों की निर्माण अवधि बढ़ायेगी सरकार

नगरीय विकास विभाग ने आमजन के हित में जारी किए आदेश

जयपुर। नगरीय विकास विभाग अब पुर्नग्रहण शुल्क लेकर आमजन को सरकारी योजनाओं में आवंटित भूखंड़ों पर निर्माण करने की अवधि में छूट देगा। राज्य सरकार ने जनहित में यह कदम उठाया है। नगरीय विकास विभाग के इस आदेश के बाद हजारों ऐसे लोगों को फायदा मिलेगा, जिन्होंने विकास प्राधिकरण और नगरीय निकायों में सरकारी भूखंड तो आवंटित करवा लिए, लेकिन उन पर तय समय में निर्माण कार्य पूरा नहीं कर सके।

> ■ **इस आदेश के बाद हजारों ऐसे लोगों को फायदा मिलेगा, जिन्होंने विकास प्राधिकरण और नगरीय निकायों में सरकारी भूखंड तो आवंटित करवा लिए, लेकिन उन पर तय समय में निर्माण कार्य पूरा नहीं कर सके।**

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण की आवासीय योजनाओं में राजस्थान नगर सुधार न्यास (नगरीय भूमि निष्पादन) नियम 1974 के नियमों के तहत भवन निर्माण के लिए समयावधि का निर्धारण किया गया है, इस अवधि में निर्माण नहीं करवाये जाने पर भूखण्डों का आवंटन स्वत: निरस्त हो जाता है। इस संबंध में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा पुर्नग्रहण शुल्क लिया जाकर भूखण्डों की बहाली की शिथिलता के आदेश जारी किये जाते है। नगरीय विकास विभाग द्वारा "प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021" में पुर्नग्रहण शुल्क लेकर दी गई छूट 31 मार्च 2024 को खत्म हो चुकी है। पुर्नग्रहण शुल्क में छूट के आदेशों के अभाव में बहुतायत पट्टे, नाम हस्तांतरण, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र के प्रकरण लंबित चल रहे थे।

ट्रांसपोर्ट नगर के आवंटियों को ब्याज और पेनल्टी में छूट

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने नगरीय विकास विभाग के आदेशों की अनुपालना में ट्रांसपोर्ट नगर के आवंटियों से प्रथम किश्त 31 मार्च 2025 तक जमा करवाने पर ब्याज-पैनल्टी में छूट दी है।

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर में आवंटियों को चार त्रैमासिक किस्तों में ब्याज-पैनल्टी में छूट के साथ राशि जमा करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह छूट प्रथम किश्त 31 मार्च 2025 तक जमा करवाने की शर्त पर दी गई है। उल्लेखनीय है कि जयपुर में ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारियों द्वारा आवंटन पत्र जारी करने एवं बिना ब्याज व शास्ति की राशि जमा कराने के लिए बार-बार जेडीसी से निवेदन किया गया।

गेमिंग जोन में अग्निशमन इंतजाम जांचने पहुंची ग्रेटर निगम की टीम

जयपुर। ग्रेटर निगम आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देश पर गुरूवार को मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौत्तमलाल और उनकी टीम ने शहर में गेमिग जोन का औचक निरीक्षण किया। टीम ने सभी जगहों पर अग्निशमन व्यवस्था देगी।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौत्तमलाल ने बताया कि लेट्स गेमिंग जोन इस्कान रोड मानसरोवर में संचालित प्ले जोन, पानबर्ग गेमिंग जोन पत्रकार कॉलोनी रोड मानसरोवर, जंपिग नेशन गेमिंग जोन कृष्णा सरोवर मानसरोवर में संचालित प्ले जोन में वर्तमान में अग्निशमन उपकरण कार्यशील अवस्था में पाए गए।

ट्राईटन मॉल (गैमर) झोटवाडा पुलिया के पास स्थित भवन के तृतीय फ्लोर पर संचालित गेमिग जोन में स्थापित अग्निशमन उपकरण सही व कार्यशील अवस्था में पाये गये। पुनो गेमिंग जोन झोटवाडा 200 फीट रोड पर संचालित गेमिग जोन में स्थापित अग्निशमन उपकरण (फायर पम्प) सही व कार्यशील अवस्था में नहीं मिले।

वी.आर.थीम पार्क गांधी पथ वैशाली नगर जयपुर में संचालित गेमिग जोन में स्थापित अग्निशमन उपकरण सही व कार्यशील अवस्था में मिले। जी.टी मालवीय नगर में संचालित मस्ती गेमिग जोन, डब्ल्यू टी पी जोरेकों गेमिग जोन व मालवीय नगर जयपुर एस एल मार्ग में संचालित सेलीब्रेशन बॉय हाउस आफ प्ले गेमिग जोन में स्थापित अग्निशमन यन्त्र सही व कार्यशील अवस्था में पाये गये। जगतपुरा जोन में संचालित होप होप गेमिग जोन में स्थापित अग्निशमन यन्त्र सही व कार्यशील अवस्था में पाये गये।

वरिष्ठ ट्रांसपोर्ट अधिकारी के 10 से ज्यादा ठिकानों पर ए.सी.बी. की छापेमारी, करोड़ों की संपत्ति मिली

राजस्थान-उत्तरप्रदेश में छापेमारी के दौरान आरोपी संजय शर्मा की 25 बीघा जमीन, बच्चों की विदेश शिक्षा के दस्तावेज, कई भूखंड़ व मकान, दो बैंक लॉकर्स और खाते तथा कई बीमा पॉलिसियों में निवेश मिला है

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ए.सी.बी.) ने राजधानी जयपुर में तैनात वरिष्ठ ट्रांसपोर्ट अधिकारी संजय शर्मा के ठिकानों पर छापेमारी की है। ए.सी.बी. टीम ने राजस्थान के अलग-अलग शहरों के साथ उत्तर प्रदेश के भी एक शहर में छापेमारी की है। गुरुवार सुबह 7 बजे से चली इस कार्रवाई में 5 से ज्यादा टीमें शामिल थी। एजेंसी के पास अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर काफी शिकायतें पहुंची थी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी अजमेर भागचंद मीणा ने बताया कि एआरटीओ संजय शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति को लेकर कार्रवाई की जा रही है। विद्याधर नगर परिवहन कार्यालय में पोस्टेड शर्मा के खिलाफ कोर्ट से परमिशन ली गई थी। उनके जयपुर, भरतपुर, मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) के 10 ठिकानों पर छापेमारी की गई। ए.सी.बी. की एक टीम जयपुर के एक एस.के.जे. ज्वेलर्स के यहां भी पहुंची है।

मीणा ने बताया कि आरोपी अधिकारी के मुरादाबाद के पैतृक गांव में भी सर्च किया, यहां उनके रिश्तेदारों और दोस्तों से भी पूछताछ की जा रही है। वहीं जयपुर में वैशाली नगर, श्याम नगर, पांच्यावाला में आरोपी अधिकारी से जुड़े दोस्तों व अन्य लोगों के यहां भी टीमें पहुंची। जानकारी के अनुसार जयपुर में कुल 8 जगह एजेंसी जांच कर रही है। एफआईआर में जिन दस्तावेजों की जानकारी दी गई है। उनके मिलने पर उसे क्रॉस वेरीफाई किया जायेगा। बैंक खातों के नंबर भी प्राप्त किए जा रहे है। इनकी पत्नी और बच्चों के नाम से 4-5 बैंक खाते मिले हैं, उनकी जांच की जा रही है। जमीनों के दस्तावेजों के जानकारी भी मिली है। पत्नी के नाम से जमीन ली हुई है।

आरोपी संजय शर्मा

> ■ **संजय शर्मा जयपुर के विद्याधर नगर में वरिष्ठ ट्रांसपोर्ट अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। गुरूवार सुबह 7 बजे अचानक ए.सी.बी. की टीम ने इनके राजस्थान और उत्तरप्रदेश के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया।**
>
> ■ **बताया जा रहा है कि ए.सी.बी. को शिकायत मिली थी कि संजय शर्मा ने अवैध पैसे से गोल्ड भी खरीदा है। यह सोना एस.के.जे. ज्वैलर्स से खरीदा गया है, इस पर ए.सी.बी. की एक टीम ज्वैलर के वैशाली नगर स्थित शोरूम में भी पहुंची।**

एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार संजय शर्मा ने अवैध पैसे से गोल्ड भी खरीदा है। यह सोना संजय शर्मा के ने एस.के.जे. ज्वेलर्स से खरीदा है। इसलिए एसीबी की एक टीम ज्वेलर्स के वैशाली नगर स्थित शोरूम में भी पहुंची है। संजय शर्मा के ठिकानों से गोल्ड में इन्वेस्टमेंट को लेकर काफी बिल व दूसरे दस्तावेज भी मिले हैं।

एसीबी ने अधिकारी के कृष्णा नगर वैशाली नगर के आवास, विद्याधर नगर ऑफिस, श्याम नगर में अधिकारी के एक रिश्तेदार के घर, कृष्णा नगर में अधिकारी के रिश्तेदार के घर, भरतपुर में अधिकारी के पैतृक आवास, पांच्यावाला में अधिकारी के पत्नी के नाम प्लांट पर, बिलारी मुरादाबाद में अधिकारी के चचेरे भाई के घर, विद्याधर नगर में अधिकारी के रिश्तेदार के घर और लक्ष्मी कॉलोनी सांगानेर में अधिकारी के नजदीकी रिश्तेदार के घर पर तलाशी ली गई।

ए.सी.बी. महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि आरोपी संजय शर्मा और उसके परिवारजनों के नाम पर कृष्णा नगर में एक मकान, करणी नगर में एक प्लॉट, अलीगढ़ उत्तरप्रदेश में एक भूखंड़, चिड़िया भवन, बिललारी मुरादाबाद (यूपी) में 25 बीघा जमीन मिली है। संजय शर्मा द्वारा अपने बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए विदेश में करवाने संबंधी दस्तावेज, कई बीमा पॉलिसियां, दो बैंक लॉकर और कई बैंक खाते मिले हैं, जिनमें लाखों रु. जमा है। फिलहाल बैंक लॉकर्स और खातों को खोला जाना शेष है। एसीबी को शक है कि संजय शर्मा ने कई जगहों पर बेनामी संपत्तियों में भी निवेश कर रखा है, इसे लेकर भी जांच की जा रही है।

लूट व हत्या के मामले में पकड़े गए बदमाशों की परेड निकाली

जयपुर। विद्याधर नगर थाना इलाके में महिला से लूट और हत्या के मामले में पकड़े गए पांचों बदमाशों की गुरूवार को पुलिस ने परेड निकाली। इस दौरान बदमाश फ्रैक्चर हुए पैर से लंगड़ाते हुए चलते रहे।

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि गुरुवार को पांचों बदमाशों की परेड कराई गई। टूटे पैर पर प्लास्टर चढ़े दोनों हत्या के आरोपी लंगड़ाते हुए वारदात स्थल तक पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने सहारा देकर आरोपी लक्की और शाहरुख को रोड पर घुमाया। उनके पीछे-पीछे तीनों मास्टरमाइंड को लेकर पुलिस टीम भी पहुंची। पांचों बदमाशों से पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तस्दीक की कार्रवाई पूरी कराई।

गौरतलब है कि 16 जनवरी को विद्याधर नगर में महिला सरोज बंसल (55) की लूट के लिए हत्या कर दी गई थी। वहीं पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लूट के लिए महिला की हत्या मामले में मास्टरमाइंड गोपाल शर्मा (45), बजरंग लाल (50), दीन मोहम्मद (47), लक्की (23) और शाहरुख अंसारी उर्फ पुलिस (24) को गिरफ्तार किया था। पुलिस से बचकर भागने की कोशिश में हत्या के आरोपी लक्की और शाहरुख अंसारी के गड्ढे में गिरने से एक-एक पैर फ्रैक्चर हो गए थे।

ओ.पी.डी. शिविर 25 को

डूंगरपुर। महावीर इंटरनेशनल का एक दिवसीय ऑर्थोपेडिक ओपीडी का नियमित शिविर माह के चौथे शनिवार 25 जनवरी को रोग निदान केंद्र में लगाया जा रहा है जिसमे जीबीएच जनरल एवं कैंसर हॉस्पीटल उदयपुर के अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ अग्रवाल अपनी नियमित ओपीडी सेवाएं संस्था में प्रदान करेंगे।

एमआई अध्यक्ष विजय जैन ने बताया कि प्रतिमाह की भांति इस माह का दो दिवसीय दिव्यांग सहायता शिविर माह के अंतिम शनिवार एवं रविवार 25 एवं 26 जनवरी को महावीर इंटरनेशनल डूंगरपुर के रोग निदान केन्द्र, ऑडिटोरियम के सामने, नये होस्पिटल के पास डूंगरपुर में समय प्रातः 10.30 बजे से लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया की हड्डी एवं जोडों से संबंधित पुराने रोगी अपनी पहले की रिपोर्ट्स अवश्य साथ लावे। साथ ही दिव्यांग जन अपने साथ मेडिकल प्रमाण पत्र की प्रति,एक फोटो,आधार कार्ड ,जाति एवं आय प्रमाणपत्र की प्रति लेकर आवे ताकि आप को निःशुल्क साधन उपलब्ध कराने मे कठिनाई नहीं होवे। जैन ने सभी से आग्रह किया है कि सभी लोग अपने आस-पास के अस्थि रोग के मरीजों एवं दिव्यांग जनों को शिविर की जानकारी अवश्य उपलब्ध करावे ताकि अधिकाधिक लोगों को शिविर का लाभ पहुंचाया जा सके।

देश की आजादी में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का अद्वितीय योगदान

क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र जी बोस की जन्म जयंती पराक्रम दिवस के रूप में मनाई।

प्रतापगढ़। भारत राष्ट्र के आजादी के सिरमौर क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र जी बोस की जन्म जयंती पराक्रम दिवस के रूप में अभिभाषक संघ प्रतापगढ़ एवं अमर शहीद सरदार श्री भगत सिंह विचार मंच के तत्वाधान में न्यायालय परिसर में मनाई गई।

अभिभाषक संघ के अध्यक्ष अरुण पाटीदार व अमर शहीद सरदार भगत

- भारत राष्ट्र नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रति कृतज्ञ
- नेताजी सुभाष चंद्र बोसकी जन्म जयंती अभिभाषक संघ एवं शहीद भगत सिंह विचार द्वारा मनाई

सिंह विचार मंच के अध्यक्ष लोक अभियोजक तरुण दास बैरागी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत राष्ट्र के आजादी के अग्रणी आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128 वीं जन्म जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में न्यायालय परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मोटर गाडी दुर्घटना अधिकरण के न्यायाधीश चक्रवर्ती महेचा पारिवारिक न्यायालय की न्यायाधीश शिवांगी भटनागर एनडीपीएस न्यायालय के न्यायाधीश नाहर सिंह मीणा विशिष्ट न्यायाधीश एस टी एससी प्रकरण एसीजेएम प्रतापगढ़ अंकित सिंघल न्यायाधीश श्री योगेश यादव मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रामकन्या सोनी सिविल न्यायाधीश श्रीमती प्रेक्षा झुनझुनवाला अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश वर्षा सिंह एवं अभिभाषक संघ के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री केसर सिंह बाठी श्री पारसमल जैन श्री बाबूलाल जैन अजय कुमार पिछोलिया गुणवंत शर्मा सुश्री विजयलक्ष्मी आर्य अमर शहीद सरदार भगत सिंह विचार मंच के संयोजक रमेश चंद्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष बलवंत सिंह बंजारा सहित अधिवक्ताओं ने भाग लिया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म जयंती के अवसर पर एम ए सी टी न्यायाधीश श्री चक्रवर्ती महेचा ने अपने संबोधन में बताया कि नेताजी श्री सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की स्थापना कर राष्ट्र की आजादी में उनका अद्वितीय योगदान रहा है वरिष्ठता अधिवक्ता श्री बाबूलाल जैन अभिभाषक संघ के सह सचिव चंद्रकांत शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किये एवं नेताजी के राष्ट्र के प्रति समर्पण को पुष्पांजलि भेंट कर उनके प्रति कृतज्ञता अर्पित की। कार्यक्रम का संचालक लोक अभियोजक तरुण दास बैरागी ने किया एवं आभार अभिभाषक संघ के सचिव विशाल सालवी ने व्यक्त किया।

संविधान गौरव अभियान की घोषणा

डूंगरपुर। संविधान गौरव अभियान कार्यक्रम के मण्डल वक्ताओं की घोषणा की गई, जिसमे अभियान संयोजक शांतिलाल पंड्या ने बताया को सभी सभी घोषित वक्ताओं अनिवार्यत दिए गए मंडलों में संविधान गौरव दिवस अपना वक्तव्य देना है, जिसमे किसी भी प्रकार कोताही नहीं की जानी चाहिए। सभी मंडल बैठकों का आयोजन 25 जनवरी को प्रस्तावित है। डूंगरपुर के देवल मंडल से उमेश भणात, रमेश घोघरा, अमृतलाल कलासुआ डूंगरपुर नगर मंडल से प्रभु पण्डया दिलीप जैन, नयन सुथार, डूंगरपुर ग्रामीण से ईश्वरसिंह चौहान माधवलाल वरहात। बिछीवाडा मंडल से मंगन गमेती, नरसिंह फनात, बंशीलाल कटारा गेंगेश्वर मंडल से धर्मवीरसिंह चौहान, परेश गमेती, सुभाषचन्द्र रोत। आसपुर के देवसोमनाथ मंडल से मनसुख पाटीदा, किरण पण्ड्या सुजीत चौबीसा। माण्डवीया मंडल से जय प्रकाश पंचाल, सुरेश रोत, गोपीचंद मीणा। बेणेश्वर मंडल से खुमानसिंह पंवार, जयेश सेवक, वेलजी पाटीदार। आसापुरा मंडल से दिलीप कुमार जैन, नरेन्द्र सिंह, गजेन्द्रसिंह चौहान। पुंजपुर मंडल से दर्जनसिंह पंवार, रामजी पाटीदार, इन्द्रवीरसिंह चौहान। आसपुर मंडल से नेपाल सिंह राठौड, नेपाल सिंह राठौड सुरेश फलोजिया।

सार-समाचार

श्याम सोनी की काव्य कृति का लोकार्पण

प्रतापगढ़। कवि श्री श्याम सोनी के 79 वे जन्म दिवस एवं उनकी नवीन काव्य कृति "केसर की क्यारी"-भाग 2 का लोकार्पण समारोह पेंशनर भवन में मुख्य अतिथि बांसवाड़ा के वरिष्ठ साहित्यकार श्री भरत चंद्र शर्मा एवं एपीसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय गिल के मुख्य आतिथ्य तथा डॉ धनेश सोनी की अध्यक्षता व विशिष्ठ अतिथि के रूप मे सोनी समाज के अध्यक्ष मनसुख सोनी,जगदीश राजसोनी,कवि मदन वैष्णव,विशाल सालवी,अ.भा. साहित्य परिषद के अध्यक्ष सुरेश सूरज, राष्ट्रीय कवि संगम के चित्तौड़गढ़ प्रांत के उपाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक हरीश व्यास तथा पेंशनर समान के सचिव दुर्गाप्रसाद सोलंकी व इंडिया पति हनुमान ट्रस्ट के अध्यक्ष ओम सोनी द्वारा सरस्वती पूजा के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ तथा अतिथियों का स्वागत श्याम सोनी, विकास सोनी,आकाश सोनी,राहुल सोनी,कमल नयन सोनी,आशीष शर्मा व श्रीमती श्याम सोनी द्वारा मंगल तिलक व उपरना ओढाकर किया गया।इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में सर्व श्री गीतकार हरीश व्यास,श्रीमती प्रमिला शर्मा,बांसवाड़ा,कैलाश राव रसिक, सुरेंद्र सुमन, धनपाल धमाका, कुँवर प्रतापसिंह, सुनिता जैन, भीम सिंह, महेश सिंह जाडावत, विक्रम मेहता, राजेन्द्र जोशी, असगर अलि पत्रकार ने विभिन्न रसों में मनोहारी काव्यपाठ किया। इसके पश्यात अतिथियों द्वारा काव्य कृति का लोकार्पण कर उस पर सम्पादक मदन वैष्णव द्वारा अपनी बात के साथ श्याम सोनी द्वारा कृति में प्रकाशित रचनाओं की प्रस्तुति की गई।अंत मे अतिथियों को स्मृति स्वरूप प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए व जन्मदिवस पर कवि श्याम सोनी द्वारा अतिथियों व परिवार के साथ केक काटा गया।आगन्तुको का आभार विकास सोनी ने व्यक्त किया।

उप निदेशक डॉ.मीणा ने किया पदभार ग्रहण

डूंगरपुर। उप शासन सचिव आयुष विभाग, राजस्थान जयपुर की अनुपालना में डॉ. बद्रीनारायण मीणा उप निदेशक ने उप निदेशक कार्यालय,आयुर्वेद विभाग, डूंगरपुर में मध्यान्ह पूर्व कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात् कार्यालय के पूर्व उप निदेशक डॉ.मनोहर सिंह राव ने उप निदेशक डॉ. बद्रीनारायण मीणा का माल्यार्पण और तिलक लगाकर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय मे विभिन्न कक्षों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर कार्यालय के पूर्व उप निदेशक डॉ.मनोहर सिंह राव, सहायक निदेशक डॉ.यशन्वत कुमार परमार,डॉ. जयन्त कुमार यादव,अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी मनीष कुमार मेहता, सहायक लेखाधिकारी-IIओम प्रकाश रोत, सहायक प्रशासनिक अधिकारी शांतिलाल रोत, जीवन प्रकाश बरण्डा, सुखपाल मीणा, कपिल शर्मा, प्रतिक डेण्डोर, देवचंद डामोर सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

संविधान रक्षक अभियान की पदयात्रा आज

डूंगरपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार लीडरशीप डवलपमेंट मिशन के तहत 24 जनवरी को प्रातः 9 बजे स्थानीय गेपसागर की पाल से संविधान रक्षक अभियान की पदयात्रा निकाली जायेगी। लीडरशीप मिशन के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. शंकर यादव ने बताया कि पद यात्रा तहसील चौराहा से प्रारंभ होकर पुराने बस स्टेण्ड, नया बस स्टेण्ड, अस्पताल चौराहा होते हुए पुनः वागड गांधी स्वतंत्रता सैनानी स्व.भोगीलाल पण्ड्या की समाधि स्थल पहुंच पुष्पांजलि अर्पित कर समाप्त होगी। पदयात्रा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संविधान बचाओ, जय बापू, जय भीम, जय संविधान के तहत पूरे प्रदेश में पद यात्रा कार्यक्रम आयोजित कर स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, देश की आजादी के इतिहास एवं भारतीय संविधान की 75 वीं वर्षगांठ के बारे में आम जन को अवगत कराया जायेगा। कार्यक्रम में जिले भर से कांग्रेस कार्यकर्ता,विधानसभा डूंगरपुर के कार्यकर्ता सहित शामिल होंगे।

जरूरतमंद को किया रक्तदान

प्रतापगढ़। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में जिला चिकित्सालय में संत रामपाल जी महाराज के शिष्यों ने जरूरतमंद रक्तदान करके समाज सेवा का अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। संत रामपाल जी महाराज ने हमेशा अपने अनुयायियों को परमार्थ और निःस्वार्थ सेवा की शिक्षा दी है, जिसके कारण वे समाज की भलाई के लिए निरंतर कार्यरत रहते हैं। रक्त की अनुपलब्धता के कारण किसी की मृत्यु न हो, इसी उद्देश्य से उनके शिष्य विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित करते हैं। संत रामपाल जी महाराज का मानना है कि मानव जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य सच्चे भगवान की भक्ति और मानवता की सेवा है। उनके अनुयायी न केवल रक्तदान में सक्रिय भाग लेते हैं, बल्कि समाज के अन्य कल्याणकारी कार्यों में भी अग्रसर रहते हैं। संत रामपाल जी महाराज के अनुयायी शराब, नशीली वस्तुओं का सेवन नहीं करते हैं, जिससे उनके द्वारा दान किया गया रक्त विषाक्त पदार्थों से मुक्त होता है। यह शुद्ध रक्त गंभीर बीमारियों और आपात स्थितियों में अत्यधिक आवश्यक होता है।

कदम से कदम मिला, किया कदमताल

डूंगरपुर। विद्या भारती संस्था द्वारा सुभाषचन्द्र बोस जयन्ति पर नगर के तीनों विद्यालय ऋषभदेव विद्यानिकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय-गोकुलपुरा, माध्यमिक विद्यालय-नई बस्ती तथा बालिका माध्यमिक विद्यालय-इंजीनियर की गली के विद्यार्थियों द्वारा घोष वादन के साथ कदम से कदम मिला भव्य पथ संचलन किया गया। इस अवसर पर मुख्य मार्गो एवं चौराहों पर लोगों द्वारा छतों तथा मकानों के गलियारों से गुलाल एवं पुष्प वर्षा की गई।

पाटीदार प्रीमियर लीग अहमदाबाद का तीसरा सीजन शुरु

डूंगरपुर। पटेल पाटीदार डांगी समाज के चार चोखला के पाटीदार समाज की पाटीदार प्रीमियर लीग अहमदाबाद के तीसरे सीजन का शुरुआत हुआ। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष वेलजी पटेल खैरमाल ने की। मुख्य अतिथि श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र डांगी धताणा, कवि सुनील पटेल सम्राटा नेजपुर, दिनेश भाई गामडी रहे। अतिथि ईश्वर कोलखंडा, गोविंद मसाना, रामजी गणेशपुर, गजेंद्र बोडीगामा, नरेंद्र मसाना, मुकेश नेजपुर, मणिलाल बडलिया, गौतम भचडिया, मणिलाल बडलिया, प्रेमजी पटेल, कमलेश कोलखंडा रहे। महेंद्र डांगी ने कहा कि युवाओं को एकजुट होकर निरंतर खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखानी होगी। श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना के नेतृत्व में पटेल पाटीदार डांगी समाज की सभी मांगों के लिए लड़ाई लड़ेंगे। वेलजी भाई ने कहा कि शिक्षा में ध्यान देकर सभी कार्य करने होंगे।

नशा मुक्ति की ओर भी कदम उठाकर युवाओं को प्रेरित करेंगे। कवि सुनील पटेल ने कहा कि व्यापार के क्षेत्र में युवा एक दूसरे के सहयोगी बनें। आधुनिकता की इस दौड़ में असली व नकली का फर्क समझें। टीएसपी क्षेत्र में ओबीसी आरक्षण के लिए युवाओं को मिलकर संघर्ष करना होगा। इस दौरान आयोजक कमेटी के भरत भाई बडलिया, डायालाल गलियाणा, कमलेश बडलिया, गणेश भाई मसाणा, नरेश पाडा, नरेश मसाणा, डायालाल, मोगजी ने अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। आभार नरेंद्र पाटीदार ने जताया।

मातृ वंदना योजना में डॉ. आमेटा को द्वितीय स्थान

प्रतापगढ़। "सशक्त नींव, उज्ज्वल भविष्य" की संकल्पना को साकार करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जयपुर स्थित बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य स्तरीय आमुखीकरण कार्यक्रम में जिले के प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत वर्ष 2024 में उत्कृष्ट कार्य करने पर महिला एवं बाल विकास विभाग, प्रतापगढ़ के उप निदेशक डॉ. तुलसीराम आमेटा को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। जिला कलक्टर सहित अन्य अधिकारियों ने डॉ. आमेटा को बधाई दी और विभाग के सभी कार्मिकों के प्रयासों को सराहा। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण और मातृत्व के क्षेत्र में किए गए।

शिव मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा हर्षोउल्लास से हुई

प्रतापगढ़। जिले के प्रतापगढ पंचायत समिति के गाँव अखेपुर में समस्त लबाना समाज एवं ग्रामवासियों के सहयोग से नवीन शिव मन्दिर शिव पंचायतन कलश प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का बुधवार को लबाना समाज सामुदायिक भवन अखेपुर में कथा प्रवक्ता पं. निरंजन शर्मा (गादोला वाले) के मुखारविन्द से वाचन कर समापन किया गया।

समाजसेवी दशरथ लबाना ने बताया कि नवीन शिव मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव हर्षोउल्लास के साथ आयोजन किया गया। सभी श्रद्धालुओं ने कथा व मंदिर में विभिन्न रात्रि में सुंदरकाण्ड व अनेक विभिन्न धार्मिक आयोजन में भाग लेकर आनंद लिया। बुधवार को नवीन शिव मन्दिर पर बडे कलश की बोली सवाविख 9 लाख 71 हजार रूपये की भुरालाल झाड द्वारा लगाकर कलश मंदिर पर चढाया गया।

इसी तरह से ध्वजा दण्ड की बोली एक लाख 65 हजार रूपये की नन्दलाल कसावत, शिवजी की मूर्ति स्थापना की बोली 22 हजार 500 की रूपचन्द तगरिया व पार्वतीजी की मूर्ति स्थापना की बोली 52 हजार की रूपचन्द तगरिया, गणेश जी की मूर्ति स्थापना की बोली 30 हजार की समरथ पेलिया, कार्तिक जी की मूर्ति स्थापना की बोली 32 हजार शिवलाल कसावत, नन्दी जी की मूर्ति स्थापना की बोली 51 हजार रूपये की गोविन्द पेलिया, त्रिशुल की स्थापना के लिए 35 हजार की मांगीलाल हरताणा, विजय घंटी की बोली 22 हजार की निर्भयसिंह कसावत, शेर शिखर पर स्थापना के लिए 85 हजार की ईश्वरलाल कसावत, चन्दन लगाने की बोली 31 हजार की मदन पेलिया, फुलमाला पहनाने की बोली 22 हजार की निर्भयसिंह कसावत, ईत्र लगाने की बोली 24 हजार दलीचन्द कसावत, भगवान को भोग लगाने की 32 हजार की रूपचन्द तगरिया, महा आरती की बोली 41 हजार की मथुरालाल कसावत, कलश की बोली कलश यात्रा गांव में निकाली प्रथम दिन 11 हजार 111 की ईश्वर कसावत व हवन में घी की पूर्ण आहुति के लिए 1 लाख 40 हजार की मांगीलाल कसावत ने बोली लगाकर पुण्य धर्म के कार्य में सहयोग प्रदान किया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस को किया नमन

उदयपुर। स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक, आजाद हिन्द फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती पर गुरुवार को जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सभागार में कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने नेताजी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि सुभाष चंद्र बोस स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे अग्रदूत थे, जिन्होंने अपने अदम्य साहस, कुशल नेतृत्व और ओजस्वी वक्तव्य से देश के लाखों युवाओं को आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया "तुम मुझे खून दो- मैं तुम्हे आजादी दूंगा", "जय हिन्द" और "चलो दिल्ली" जैसे नारों से आजादी की लड़ाई को नयी उर्जा देने का कार्य किया। जीवन में सिर्फ तीन चीजे ही चाही चरित्र, ज्ञान और कर्म। उनके लिए राष्ट्रवाद मानव जाति के उच्चतम आदर्शों सत्यम,शिवम, सुन्दरम से प्रेरित था। निजी जीवन से देश बड़ा होता है, हम मिटते हैं, तब देश खड़ा होता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि नेताजी के नेतृत्व में 30 से 35 हजार युद्ध बंदियों द्वारा एकजुट होकर अपने देश की स्वतंत्रता के लिए किये गये संघर्ष जैसा कोई अन्य दृष्टांत दुनिया में दिखाई नहीं देता। उन्होंने कहा था कि हमें पूर्ण स्वराज चाहिए, इस इरादे से हमें संसार की कोई भी शक्ति डिगा नहीं सकती, आजादी मांगी नही ली जाती है। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. तरुण श्रीमाली, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पारस जैन, डॉ. चंद्रेश छतलानी, निजी सचिव केके कुमावत, जितेन्द्र सिंह चौहान,सहित कार्यकर्ताओं ने नेताजी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

जटिल ऑपरेशन से मां और नवजात को नया जीवन

भीलवाड़ा , एक दंपति ने गंभीर स्वास्थ्य स्थिति के चलते गीतांजली हॉस्पिटल में संपर्क किया। गर्भवती महिला का रक्तचाप220/160तक पहुँच गया था,जिसके कारण स्थानीय डॉक्टरों ने तुरंत गीतांजली हॉस्पिटल में उपचार की सलाह दी। यहाँ पहुँचने पर विशेषज्ञ डॉक्टरों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल ऑपरेशन करने का निर्णय लिया।

रोगी का इलाज करने वाली टीम में पीडियाट्रिक सर्जन डॉ अपूर्व सिंह, नोनटोलॉजिस्ट डॉ सुशील गुप्ता, प्रसूति व स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ भामिनी जाखेटिया, एनेस्थीसिया टीम, ओ.टी. व एनआईसीयू स्टाफ के अनवरत प्रयासों से जच्चा व बच्चा का इलाज किया गया। डॉ. भामिनी जाखेटिया ने बताया कि महिला के गर्भ को7माह पूरे हो चुके थे,लेकिन अत्यधिक बढ़े हुए रक्तचाप के कारण कई गंभीर जटिलताएं उत्पन्न हो गई थीं। रोगी असहनीय सिरदर्द से पीड़ित थी,जो बढ़े हुए रक्तचाप का परिणाम था। महिला की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आपातकालीन ऑपरेशन किया गया। यह ऑपरेशन माँ और नवजात,दोनों के लिए अत्यधिक जोखिमपूर्ण था,लेकिन इसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

जन्म के बाद नवजात का वजन मात्र900ग्राम था और उसे तुरंत वेंटिलेटर पर रखा गया। नवजात विशेषज्ञ डॉ. सुशील गुप्ता और उनकी टीम ने बच्चे का उपचार प्रारंभ किया। जन्म के एक सप्ताह बाद नवजात को पेट संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हुईं। जाँच में यह पाया गया कि बच्चे कोमेकोनियम आइलसनामक बीमारी है,जिसमें मल सख्त हो जाता है और उसका निष्कासन संभव नहीं होता। पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. अपूर्व ने बच्चे की आंत में सर्जरी कर अवरोध को दूर किया और पेट में स्टोमा बनाकर एनआईसीयू में उसकी देखभाल की। चूँकि बच्चा बहुत कम वजन का था,उसे एनआईसीयू में स्टोमा फीड्स के ज़रिए पोषण दिया गया। जब बच्चे का वजन2.5किलो हो गया,तब डॉ. अपूर्व की टीम ने स्टोमा बंद करने के लिए दूसरी सफल सर्जरी की गयी।

डॉ. सुशील गुप्ता के नेतृत्व में बच्चे का पोस्ट ऑपरेटिव उपचार किया गया। नवजात को संपूर्ण पोषण प्रदान किया गया,और उसकी आँखों,कानों,मस्तिष्क तथा अन्य अंगों का परीक्षण किया गया। वर्तमान में बच्चा स्वस्थ है,माँ का दूध ले रहा है और उसका वजन भी बढ़ रहा है। दस वर्षों के लंबे इंतजार के बाद माता-पिता बनने वाले दंपति ने गीतांजली हॉस्पिटल के डॉक्टरों और स्टाफ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। गीतांजली हॉस्पिटल का बाल एवं शिशु रोग विभाग,नवजात से लेकर बड़े बच्चों तक की जटिल से जटिल सर्जरी के लिए सक्षम है। यहाँ एनआईसीयू और पीआईसीयू की अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं,जो रोगियों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करती हैं।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर माल्यार्पण कर किया याद

निम्बाहेड़ा। देश के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128 वी जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी एवं श्री सुभाष सांस्कृतिक सेवा संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा नगर की मुख्य सब्जी मंडी स्थित सुभाष चौक पर गुरुवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आदमकद प्रतिमा पर

- विद्या निकेतन के द्वारा निकले पथ संचलन का पुष्प वर्षा के साथ किया स्वागत

निम्बाहेड़ा में स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर प्रतिमा पर भाजपा जनों ने माल्यार्पण किया।

माल्यार्पण कर याद किया गया। इसके साथ ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर नगर के विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा निकले पथ संचलन का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक अशोक नवलखा, नगर अध्यक्ष कपिल चौधरी, वरिष्ठ नेता डॉ.जे.एम.जैन, चंद्रमोहन गुप्ता, वेदप्रकाश चतुर्वेदी, प्रकाश धीग, मनोहर चौधरी, नगर महामंत्री देवकरण समदानी, कमलेश बनवार, कमलेश बुनकर, नगर उपाध्यक्ष गोपाल पंचोली, नगर मंत्री दिलीप मोदी, धर्मपाल जाट, पूर्व पार्षद मयंक अठावाल, जगदीश माली, भाजयुमो नगर महामंत्री डॉ.आशीष टांक, चिराग मंत्री, चंद्रप्रकाश सिंह हाडा, कमलेश शर्मा, लाला सेन, सुभाष सांस्कतिक संस्थान के अध्यक्ष लक्की आहूजा, रमेश बोडाना, अनिल शर्मा, भरत शर्मा, दीपक शारदा, उदयलाल नैनावा, आदित्य अठावाल, शिवदयाल नैनावा, मोहित सिंह राजपूत, हेमंत सोलंकी, दीपक चंचानी, भरत सोलंकी आदि सहित भाजपा एवं सुभाष सांस्कृतिक सेवा संस्थान के पदाधिकारी मौजूद रहे। यहां सर्वप्रथम भाजपा एवं श्री सुभाष सांस्कृतिक सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने सुभाष चन्द्र बोस की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने "सुभाष चंद्र बोस अमर रहे", "वन्दे मातरम" के नारे लगाए।

इस अवसर पर पूर्व विधायक नवलखा ने कहा कि आजादी की लडाई के दौरान नेताजी ने तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा, जय हिन्द, दिल्ली चलो जैसे नारों से लोगों में देशभक्ति की भावना को उजागर किया और स्वतंत्रता आंदोलन में कूदने की अलख जगाई। उनके द्वारा दिया गया "जय हिन्द" का नारा आज भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। आज का दिन इस करिश्माई नेता, प्रेरक व्यक्तित्व और महान योद्धा को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित करने का है, जिन्होंने आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा निकाले गए पथ संचलन का श्री राजेन्द्र सूरी ज्ञान मंदिर से पूर्व विधायक अशोक नवलखा एवं नगर अध्यक्ष कपिल चौधरी ने ध्वज दिखाकर रवाना किया।

शादी में गए परिवार के घर चोरी की कोशिश नाकाम

डूंगरपुर। सरोदा थाना क्षेत्र के घोडापला गांव में बुधवार रात ग्रामीणों की सतर्कता से चोरी की वारदात होने से टल गई। गांव में बढती चोरी की घटनाओं के बीच शादी से लौट रहे कुछ ग्रामीणों ने संदिग्ध युवकों को पकडकर पुलिस के हवाले कर दिया। सरोदा थाना क्षेत्र के घोडापला निवासी विजयसिंह चौहान की बारात सलूम्बर गई थी। जिसमें गांव में कई लोग बारात में गए हुए थे। इसी दौरान उनके भाई प्रताप सिंह के घर की छत पर कुछ बदमाश चढ गए। बदमाशों ने कार पार्किंग के टिन शेड पर चढकर खिडकी तोडने और घर में घुसने की कोशिश की, लेकिन घर में मौजूद चौकीदार और अन्य लोगों ने बदमाशों की आवाजें सुनी। चौकीदार के चिल्लाने पर चोर मौके से भागने लगे। बदमाश घोडापला बस स्टैंड की ओर भागे। इसी बीच चौकीदार और लोगों ने बारात से लौट रहे ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही कार से लौट रहे बारातियों ने चौकीदार और अन्य लोगों के बताए अनुसार 2 बाइक पर सवार 5 बदमाश दिखाई दिए। युवकों ने बदमाशों का पीछा किया और बाइक पर सवार 3 बदमाशों को दबोच लिया, जबकि दूसरी बाइक पर सवार अन्य बदमाश फरार हो गए।इसके बाद गांव के लोग इकट्ठे हो गए। लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी।

स्वच्छता पर विशेष कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

उदयपुर। केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर द्वारा आयोजित विकसित भारत2047मल्टी मीडिया प्रदर्शनी में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा और विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा किए जा रहे नवाचार की झलक देखने को मिल रही है। सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि वे न सिर्फ यहाँ प्रदर्शित की जा रही जानकारियों का अवलोकन करें बल्कि इसका भरपूर लाभ भी उठाएं। यह आ ान जिला परिषद, उदयपुर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हेमेंद्र नागर ने किया। वह स्थानीय पीएमश्री राजकीय फतेह उच्च माध्यमिक विद्यालय के परिसर में आयोजित पाँच दिवसीय मल्टी मीडिया प्रदर्शनी के चौथे दिन मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी इस बात का भी सटीक उदाहरण है कि हम लोगों तक जानकारियां पहुँचाने के लिए किस तरह से विज्ञान और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके उन्हें रोचक बना सकते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं से अनुरोध किया कि उन्हें अपने बच्चों को भी इस प्रदर्शनी को दिखाने के लिए लाना चाहिए।

प्रदर्शनी के चौथे दिन आज विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ वक्ताओं के व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इसी के अंतर्गत भारतीय संविधान की 75 वीं वर्षगाँठ के अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, अजमेर के सहायक निदेशक श्री पराग मांदले ने भारत के संविधान के तैयार होने की पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान सभी नागरिकों के बीच सद्भावना और समानता का संदेश देता है। संविधान की इस भावना को लगातार सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के एक अन्य सत्र में बाल विकास परियोजना अधिकारी, बडगाँव श्रीमती गरिमा उपाध्याय ने कहा कि विकसित भारत का सपना हम सबका साझा सपना है। इस सपने को पूरा करने के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं उसी का नतीजा है कि आज हमें चौड़ी सडकें, वाईफाई की उपलब्धता, आधुनिक सुविधाओं से युक्त विद्यालय और अस्पताल देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने युवाओं से मोबाइल का उचित उपयोग करने का अनुरोध भी किया, जिससे कि वे अपने ज्ञान और बुद्धिमत्ता को बढ़ाकर अपने जीवन को उन्नत कर सकें।

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में कॉलेज शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक श्री सतीश आचार्य ने कहा कि जीवन में विकास की सही संकल्पना को समझना बहुत जरूरी है। हम आज अपने बच्चों को कार देने का सपना तो देखते हैं मगर संस्कार देने की ओर ज्यादा ध्यान नहीं देते, जबकि संस्कार उनके पूरे जीवन की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि हम सबको अपने कर्तव्यों का ज्ञान होता है, मगर सिर्फ उसका ज्ञान होने से काम नहीं चलता, उन कर्तव्यों को पूरा करने की तत्परता होना भी जरूरी है। इस दौरान सडक सुरक्षा तथा स्वच्छता पखवाड़ा के बारे में भी उपस्थितों को जानकारी दी गई और इन विषयों पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। इसके अलावा पुशअप, गीत गायन तथा नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर विभाग से पंजीकृत कला समूह लीला देवी तेरा ताली पार्टी के कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विभाग के सहायक निदेशक श्री रामेश्वर लाल मीणा ने बताया कि इस मल्टी मीडिया प्रदर्शनी में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला व बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नगर निगम, उदयपुर, डाक विभाग, महिला अधिकारिता विभाग, ग्राम विकास व पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग के स्टॉल लगाए गए हैं।

ऑलराउंडर बनने के लिए व्यक्ति को जीवन के शुरुआती सीखने के चरण में सर्वांगीण रूप से विकसित होने की आवश्यकता होती है।
- कपिल देव

पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान, स्कूल में खेल और आउटडोर गतिविधियों पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

डी गुकेश

वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश का टाटा स्टील चेस टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। उन्होंने पांचवें राउंड के मुकाबले में बुधवार को विजक आन जी को मात दी। इस जीत से गुकेश को डबल फायदा हुआ। इस दौरान वह न सिर्फ भारत के नंबर वन खिलाड़ी बने बल्कि उन्होंने वर्ल्ड रैंकिंग में भी चौथा स्थान हासिल किया। गुकेश वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद पहली बार कोई टूर्नामेंट खेल रहे हैं। गुकेश ने कहा कि, एक बार जब मैं बोर्ड पर पहुंच जाता हूं, तो आमतौर पर मुझे प्रतिद्वंद्वी की परवाह नहीं होती, चाहे वह एक अच्छा दोस्त हो या कोई और। ये हमेशा की तरह व्यवसाय होगा।

क्या आप जानते हैं ?... वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वालों की सूची में सबसे आगे विराट कोहली हैं, जिन्होंने 295 मैचों में 50 शतक लगाए हैं।

एडम जम्पा आईपीएल टी-20 के तीसरे सत्र में शारजाह वॉरियर्स से जुड़े

शारजाह, 23 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर और दाएं हाथ के बल्लेबाज एडम जम्पा डीपी वर्ल्ड आईएल टी-20 के तीसरे सत्र के शेष भाग में शारजाह वॉरियर्स के लिए खेलेंगे। उन्हें श्रीलंकाई विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की जगह टीम में शामिल किया गया है। एडम जम्पा ने शारजाह वॉरियर्स के साथ जुड़ने को लेकर कहा, मैं यूएई लौटकर और डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के तीसरे सत्र के लिए शारजाह वॉरियर्स में शामिल होकर बहुत खुश हूं।

वेंकटेश अय्यर रणजी ट्रॉफी मुकाबले के दौरान हुए चोटिल

तिरुवनंतपुरम, 23 जनवरी। केकेआर टीम को आईपीएल 2025 से पहले बड़ा झटका लगा है। दरअसल, रणजी ट्रॉफी 2024-25 का छठा राउंड शुरू हो चुका है। मध्य प्रदेश और केरल के बीच तिरुवनंतपुरम के ग्रीन फील्ड स्टेडियम में खेले जा रहे मैच में स्टार भारतीय ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर बुरी तरह से चोटिल हो गए हैं। जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया है। अय्यर की चोट इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी केकेआर के लिए चिंता का विषय हो सकती है। मैच में एमपी की टीम पहले बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरी और उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। मध्य प्रदेश ने 49 रनों पर 4 विकेट गंवा दिए थे और उसके बाद अय्यर बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे लेकिन वे चोटिल हो गए और मैदान छोड़कर बाहर चले गए। अय्यर का बल्लेबाजी के दौरान टखना मुड़ गया। जिसके बाद वे मैदान पर लेट गए और दर्द से कराहने लगे। उन्हें मैदान पर तुरंत फिजियो ने ट्रीटमेंट दिया, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। आईपीएल ऑक्शन में अय्यर को केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपये की भारी बोली लगाकर खरीदा है। वहीं फ्रेंचाइजी उन्हें कप्तान बनाने के बारे में भी सोच रही थी। ऐसे में अय्यर की चोट टीम की सरदर्द न बन जाए। आईपीएल की शुरुआत 23 मार्च से होनी है। अगर एड़ी की चोट पर नजर डालें तो इसे ठीक होने में आमतौर पर 6-7 सप्ताह का समय लगता है। ऐसे में अब 6 सप्ताह का समय वेंकटेश को मिल सकता है लेकिन कई बार मामला गंभीर होने पर इसे ठीक होने में 5 से 6 महीने का भी समय लग जाता है और मोहम्मद शमी का उदाहरण भी हमारे सामने है।

राजस्थान-विदर्भ रणजी मैच

राजस्थान के खलील की घातक गेंदबाजी

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई की राष्ट्रिय सीनियर रणजी ट्रॉफी के आज से जयपुर में के एल सैनी स्टेडियम पर शुरू हुए राजस्थान - विदर्भ रणजी मैच के पहले दिन राजस्थान के गेंदबाज खलील अहमद की घातक गेंदबाजी व मानव सुथार, अजय कुकना के शानदार सहयोग से राजस्थान ने विदर्भ को पहली पारी में सस्ते में सिमेटा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए विदर्भ टीम राजस्थान के गेंदबाज खलील अहमद , मानव सुथार व अन्य अजय कुकना की शानदार गेंदबाजी की सामने मात्र 165 रनो के स्कोर पर आल आउट हो गयी। टीम के लिए करुण नायर 39 , ऐ वाडकर 34 व हुते 34 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज खलील अहमद अहमद ने घातक गेंदबाजी करते हुए विदर्भ की आधी टीम को पवेलियन लौटाया। खलील ने 37/5 , मानव सुथार 40/3 व अजय कुकना 24/2 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 101 रन बना लिए थे। कप्तान महिपाल लोमरोर नाबाद 44 रन बनाकर खेल रहे हैं। टीम के लिए महिपाल लोमरोर नाबाद 44 , शुभम गढ़वाल 22 , कार्तिक शर्मा 16 रनो का योगदान दिया। विदर्भ के गेंदबाज एस कापसे 17/2 , हर्ष दुबे , ऐ ठाकरे व हुते प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त किये।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इंग्लैंड को छह रन से हराया

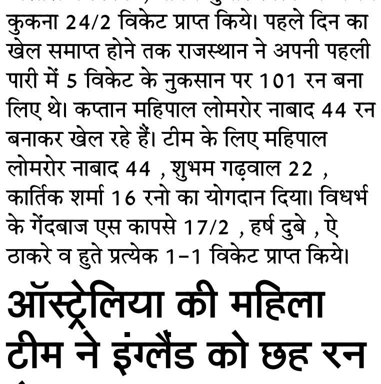

कैनबरा 23 जनवरी। कप्तान तालिया मैक्ग्रा (नाबाद 48), बेथ मूनी (44) की शानदार बल्लेबाजी के बाद कसी हुई गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने गुरुवार को वर्षा बाधित मैच में इंग्लैंड को दूसरे टी-20 में छह रन से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया के 185 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के लिए मैया बाउचियर और डेनियल वायट की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान सुरक्षा के इंतजाम

15000 जवानों की होगी तैनाती, सड़कों पर होगी आर्मी

नई दिल्ली, 23 जनवरी। 19 फरवरी से पाकिस्तान में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज होना है। सुरक्षा के कारण टीम इंडिया इस टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगी। जबकि अन्य 7 टीमें अपने सभी मैच पाकिस्तान में ही खेलेंगी। वहीं अब इस टूर्नामेंट में सुरक्षा तैयारियों को लेकर कई खबरें सामने आ रही हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान इस टूर्नामेंट की तैयारियां पूरी ना होने के कारण आलोचनाओं में घिरा रहा है। ऐसी कई तस्वीरें और वीडियो सामने आती रही हैं जिनमें कराची, लाहौर और रावलपिंडी के मैदानों में दर्शकों के बैठने की व्यवस्था तक दुरुस्त नहीं हुई है। वहीं अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड सुरक्षा व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटा हुआ है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार कहा जा रहा है कि, पाकिस्तान इस

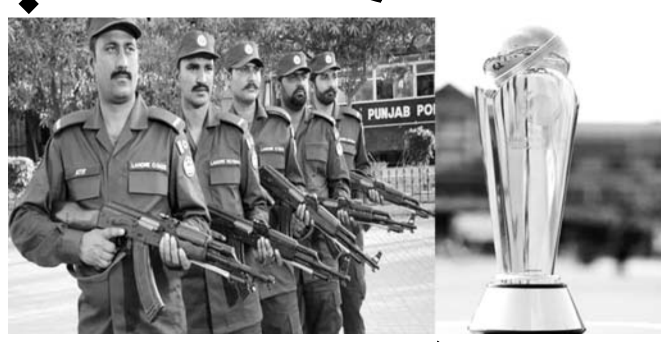

टूर्नामेंट के लिए सुरक्षा के लिए 15 हजार सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने वाला है। एक पाकिस्तानी चैनल के मुताबिक पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने लाहौर और रावलपिंडी मैदानों की सुरक्षा के लिए 12,564 पुलिस कर्मियों की तैनाती का प्लान बनाया है। लाहौर में कुल 7,618 और रावलपिंडी में 4,535 पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा स्पेशल ब्रांच के 411 अधिकारी सारे सिक्योरिटी ऑपरेशन संभालेंगे। सुरक्षा व्यवस्था केवल मैदानी इलाकों के लिए नहीं बल्कि आसमान में भी आर्मी सुरक्षा व्यवस्था का खास ख्याल रखेगी। पुलिस कर्मी होटल से लेकर मैदान के रास्तों पर कैमरा फिट कर रहे हैं। हर तरह से खिलाड़ियों की सुरक्षा का इंतजाम किया जा रहा है।

पाकिस्तान 29 साल बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने जा रहा है। साल 2009 में श्रीलंकाई टीम पर हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर सुरक्षा कारणों से लगातार सवाल उठते रहे हैं। लाहौर और रावलपिंडी के लिए, सुरक्षा कर्मियों की संख्या सामने आ चुकी है लेकिन कराची को लेकर अभी तक अपडेट सामने नहीं आया है। बता दें कि, इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद भारतीय क्रिकेट टीम चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं आएगी। बीसीसीआई ने हाइब्रिड मॉडल की मांग की थी, जिसके तहत टीम इंडिया के सारे मैच दुबई में खेले जाएंगे।

सबालेंका लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

मैडिसन कीज ने इगा स्वातेक को सेमीफाइनल हराया; 25 जनवरी को खिताबी मुकाबला

मेलबर्न, 23 जनवरी। डिफेंडिंग चैंपियन एरिना सबालेंका ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के फाइनल में पहुंच गई हैं। सबालेंका ने लगातार तीसरी बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई। 25 जनवरी को खिताबी मुकाबले में उनका सामना अमेरिका की मैडिसन कीज से होगा।

मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में बेलारूस की सबालेंका ने स्पेन की पाउला बडोसा को हराया। उन्होंने 6-4, 6-2 के अंतर से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलियन ओपन में यह उनकी लगातार 20वीं जीत रही, वे 2023 और 2024 में भी टाइटल जीत चुकी हैं।

अमेरिका की मैडिसन कीज ने विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वियाटेक को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में जगह बना ली है जहाँ उनका मुकाबला दो बार की गत विजेता आर्यना सबालेंका से होगा।

आज यहां दो घंटे 35 मिनट तक चले मुकाबले में कीज ने पाँच बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियाटेक पर 5-7, 6-1, 7-6

(10-8) से चौंका देने वाली जीत दर्ज करते हुए अपने करियर के दूसरे बड़े फाइनल मुकाबले में जगह बनाई। पहले सेट में स्वियाटेक ने अपने अनुभव और शानदार बैकहैंड के दम पर बढ़त बनाई। लेकिन कीज ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए यह सेट 7-5 से जीत लिया। इसके बाद दूसरे सेट में कीज ने आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए स्वियाटेक को 6-1 से हराया। तीसरा सेट संघर्ष पूर्ण रहा। टाईब्रेक में स्वियाटेक ने मैच पॉइंट हासिल किया, लेकिन कीज ने ध्यान और धैर्य से खेलते हुए बाजी पलट दी।

मैच के बाद मैडिसन कीज ने कहा, मैं यहां तक पहुँचने के लिए बहुत मेहनत की है और फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी। एक अन्य मुकाबले में बेलारूस की शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने करीबी मित्र पाउला बडोसा पर 6-4, 6-2 की शानदार जीत के साथ 26 वर्षों में लगातार तीन ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला बनने का मौका हासिल किया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा, मेरे रोंगटे खड़े हो गए हैं। मुझे खुद पर और अपनी टीम पर बहुत गर्व है कि हम स्वयं को ऐसी स्थिति में लाने में सक्षम थे। उन्होंने कहा, अगर मैं अपना नाम इतिहास में दर्ज कराती हूं, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी। मैं इसके बारे में सपने में भी नहीं सोच सकती थी।

मोदी और मांडविया ने शीतकालीन खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी

लेह, 23 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को पांचवें खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और संदेश के जरिए उनका उत्साहवर्धन किया। केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के एनडीएस स्टेडियम में आज पांचवें खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों की शुरुआत हुई। मोदी ने शीतकालीन खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए संदेश में कहा, हमारी सरकार लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में खेल विकास को पहली प्राथमिकता देती है। जम्मू-कश्मीर में 100 खेलो इंडिया केंद्रों और लद्दाख में तीन केंद्रों से हमारे प्रयास इस क्षेत्र को खेल उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में आकार दे रहे हैं। खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 हमारी खेल उत्कृष्टता को अगले स्तर तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में खेल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। जम्मू और कश्मीर में 100 खेलो इंडिया केंद्रों और लद्दाख में तीन हैं। इनमें एथलेटिक्स, तीरंदाजी और मुक्केबाजी के लिए लेह में एक राज्य उत्कृष्टता केंद्र भी शामिल है। इसके जरिए हमारा प्रयास इस क्षेत्र को खेल उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में आकार दे रहा है।

भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 60 रनों से हराया

क्वालालंपुर 23 जनवरी। जी तृषा (49) रनों की पारी के बाद शबनम, जोशिता और परुनिका की धारदार गेंदबाजी के दम पर भारतीय महिला टीम ने गुरुवार को अंडर-19 टी-20 विश्वकप मुकाबले में श्रीलंका को 60 रनों से हराया। भारत के 118 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे तू चल मैं आया की तर्ज पर अंतराल पर अपने विकेट गवांते रहे। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंकाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया और श्रीलंका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 58 रन ही बना सकी तथा 60 रनों से मुकाबला हार गई। श्रीलंका की ओर से केवल रश्मिका सेवांडी (15) ही दहाई आंकड़े तक पहुंच सकी।

भारत के लिए शबनम, जोशिता और परुनिका सिसोदिया ने दो-दो विकेट लिए। आयुषी शुक्ला और वैष्णवी शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां श्रीलंका की टीम ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जी तृषा (49), कप्तान निक्की प्रसाद (11), मिथिला विनोद (16) और वीजे जोशिता (14) रनों के योगदान से निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 118 का स्कोर खड़ा किया। श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे तृषा को छोड़कर कोई भी भारतीय बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। श्रीलंका की ओर से असेनी थलागुने, लिमांसा थिलाकरत्ना और प्रमुदी मेथसारा ने दो-दो विकेट लिये।

मलेशिया को हराकर वेस्टइंडीज महिला अंडर-19 विश्वकप के सुपर सिक्स में : असाबी कॉलेंडर (30) रन के बाद समारा रामनाथ (चार विकेट) की शानदार प्रदर्शन के दम पर वेस्टइंडीज ने गुरुवार को मेजबान मलेशिया को 53 रनों से हराकर महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप के सुपर सिक्स चरण में जगह बना ली है। वेस्टइंडीज के 112 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मलेशिया की पूरी टीम वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 18 ओवर में 59 रन पर ढ़ेर हो गई। नूर दानिया स्यूहादा ने (12) रन बनाये। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। वेस्टइंडीज के लिए समारा रामनाथ को चार विकेट मिले। नाइजैनी कम्बरबैच और एरिन डीन ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। जी क्लैक्सटन को एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां मलेशिया की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

// जयपुर पोलो सीजन 2025 //

जयपुर टीम के हिम्मत और वाटसन के चौके, पदमनाभ सिंह के पंजे से वी पोलो ढेर

जयपुर, 23 जनवरी। जयपुर पोलो सीजन 2025, राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप (06 गोल) गुरुवार को तीन मैच खेले गए। पहला मैच वी पोलो बनाम जयपुर के बीच खेला गया जिसमें जयपुर ने वी पोलो को साढ़े आठ के मुकाबले तेरह गोल से हराया। जयपुर की ओर से हिम्मत सिंह और लांस वाटसन ने 4-4, महाराज पदमनाभ सिंह ने 5 गोल किये। वी पोलो जबकि टीम को डेढ़ गोल का एडवांटेज मिला हुआ था।

डेल्टा पोलो ने चांदना मेफेयर को छह गोल के मुकाबले सात गोल से हराया : दूसरा मैच डेल्टा पोलो बनाम चांदना मेफेयर के बीच खेला गया। डेल्टा पोलो ने चांदना मेफेयर को छह गोल के मुकाबले सात गोल से हराया। चांदना मेफेयर की ओर से सिद्धान्त शर्मा ने 5, ओर सिमरन शेरगिल ने 1 गोल किये। वहीं डेल्टा पोलो की ओर से विश्वरूप बजाज ओर अभिमन्यु पाठक ने 2-2, जुअन्क्ले ने 3 गोल किये।

अरावली पोलो ने रामबाग पोलो को 4 के मुकाबले 5 गोल से हराया : तीसरा मैच अरावली पोलो बनाम

रामबाग पोलो टीम के बीच खेला गया, जिसमे अरावली पोलो ने रामबाग पोलो को 4 के मुकाबले 5 गोल से हराया। अरावली की ओर से डिनो धनखड़ और जयवीर सिंह ने 1-1 और मैनुअल एफ लोरेंटे ने 3 गोल किये। रामबाग पोलो की ओर से सलीम आजमी ने 1, ध्रुवपाल गोदारा ने 2 ओर शमशीर अली ने 1 गोल किया।

रणजी ट्रॉफी: रोहित शर्मा से लेकर शुभमन गिल तक हुए फेल

बेंगलुरु, 23 जनवरी। खराब फॉर्म से जूझ रहे भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल गुरुवार को रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के अपने-अपने मुकाबलों में विफल रहे, और सस्ते में आउट होकर पवेलियन लौट गये। आज यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कर्नाटक के खिलाफ पंजाब के लिए खेल रहे।

रणजी ट्रॉफी 2024-25 के इस सीजन में जम्मू-कश्मीर के सामने मुंबई ढेर हो गई। लेकिन शार्दुल ठाकुर ने अर्धशतकीय पारी खेलकर मुंबई का स्कोर 100 के पार पहुंचाने का काम किया। अगर शार्दुल ये पारी नहीं खेलते तो मुंबई का हाल और भी बुरा हो सकता है। इस मैच में मुंबई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था, लेकिन मुंबई के बल्लेबाजों ने जम्मू कश्मीर के गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। मुंबई की टीम महज 120 रन पर ही सिमट गई। मुंबई को इतने कम स्कोर पर समटने में जम्मू-कश्मीर के गेंदबाज उमर नजीर और युद्धवीर सिंह की बड़ी भूमिका रही। जम्मू-कश्मीर के खिलाफ इस मैच की पहली पारी में मुंबई के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 57 गेंदों पर 2 छक्के और 5 चौकों की मदद से 51 रन की पारी खेली और वो इस टीम के बेस्ट स्कोरर भी रहे। इसके अलावा तनुष कोटियान ने आखिरी समय पर 26 रन की अहम पारी खेली और इनकी बल्लेबाजी के दम पर मुंबई का स्कोर 120 रन तक पहुंच पाया। इस दौरान मैच में रोहित शर्मा 3 तो यशस्वी जायसवाल 4 रन पर आउट हो गए। दूसरी तरफ रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल के अलावा टीम इंडिया के अन्य स्टार खिलाड़ी शुभमन गिल, ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी भी घरेलू मैचों में फेल साबित हुए। पंजाब की कप्तानी करने वाले शुभमन गिल का तो हाल ही बुरा रहा। उनकी पूरी टीम कर्नाटक के खिलाफ महज 55 रनों पर ही सिमट गई। तो दिल्ली की ओर से खेलते हुए ऋषभ पंत का बल्ला भी नहीं चला। सौराष्ट्र के खिलाफ मैच में वह महज एक रन ही बना पाए। धर्मेंद्र जडेजा ने उनको अपना शिकार बनाया। वहीं जम्मू-कश्मीर के खिलाफ यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा और अजिंक्य रहाणे के बाद भारत के दो इंटरनेशनल खिलाड़ी श्रेयस अय्यर और शिवम दुबे भी कुछ खास नहीं कर सके। अय्यर 11 तो शिवम दुबे बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटे।

रवींद्र जडेजा और हार्विक देसाई ने सौराष्ट्र को संकट से उबारा

राजकोट 23 जनवरी। रवींद्र जडेजा (पांच विकेट/38 रन) और हार्विक देसाई (93) रन के शानदार प्रदर्शन के दम पर गुरुवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले में सौराष्ट्र ने दिल्ली को 188 रन पर समेटने के बाद पांच विकेट पर 163 रन बनाकर मैच पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

दिल्ली को 188 रन पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी सौराष्ट्र की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने 73 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवां दिये थे। हालांकि इस दौरान हार्विक देसाई एक छोर थामे खड़े रहे। रवींद्र जडेजा (38)रन बनाकर आउट हुये। दिन का आखिरी विकेट शतक की ओर बढ़ रहे हार्विक देसाई का गिरा। उन्होंने 120 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 93 रनों की पारी खेली। दिन का खेल समाप्त होने के समय सौराष्ट्र ने पांच विकेट पर 163 रन बना लिये थे और वह अभी दिल्ली के स्कोर से 25 रन पीछे है। अर्पित वसावड़ा (नाबाद तीन) क्रीज पर मौजूद थे। दिल्ली की ओर से शिवम शर्मा को दो विकेट मिले। हर्ष त्योगी , आयुष बढ़ोनी और अमित राणा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली को सौराष्ट्र के रवींद्र जडेजा (पांच विकेट) और धर्मेन्द्र सिंह जडेजा (तीन विकेट) के कहर का सामना करना पड़ा। इन दोनों गेंदबाजों ने दिल्ली के आठ बल्लेबाजों को आउट किया। कप्तान आयुष बदोनी (60), यश ढुल (44), मयंक गुसैन (नाबाद 38), जोंटी सिद्धू (16) और सनत सांगवान (12) रन बनाकर आउट हुये। सौराष्ट्र के गेंदबाजों ने दिल्ली को 49.4 ओवर में 188 के स्कोर पर समेट दिया।

इनविटेशन गोल्फ कप 25 को

पुरुष, महिला, वेटरन (60), और मेम्बर आदि श्रेणियों में प्रतिभागी होंगे शामिल

दिल्ली से प्रसिद्ध महिला गोल्फर श्वेता मान सिंह भी रहेंगी उपस्थित

जयपुर, 23 जनवरी। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई)-वेदांता हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड इनविटेशन गोल्फ कप का 5वां संस्करण 25 जनवरी, शनिवार को रामबाग गोल्फ क्लब में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में गोल्फर्स सहित ब्यूरोक्रेट्स, इंडस्ट्री मैंबर्स, जज, आर्मी, रेलवे ऑफिसर्स आदि जैसी विभिन्न पृष्ठभूमियों से लगभग 100 प्रतिभागी हिस्सा लेने जा रहे हैं, इनमें महिला गोल्फर्स भी शामिल होंगी। इस वर्ष टूर्नामेंट में प्रसिद्ध महिला गोल्फर श्वेता मान सिंह भी उपस्थित रहेंगी। यह आयोजन खेल और कॉरपोरेट्स को एक साथ लाने और एक स्वस्थ व फिट जीवन शैली अपनाने के लिए बढ़ावा देने की एक पहल है। यह जानकारी आज रामबाग गोल्फ क्लब (आरजीसी) में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीआईआई राजस्थान के पूर्व चेयरमैन, गौरव रुंगटा ने दी गई। इस अवसर पर रामबाग गोल्फ क्लब के कैप्टन, योगेन्द्र सिंह ने कहा कि सीआईआई द्वारा यह आयोजन न केवल गोल्फर्स और इंडस्ट्री के मेम्बर्स को साथ लाने का प्रयास है बल्कि गोल्फ खेल को प्रमोट करने के लिए भी अच्छी पहल है। वहीं रामबाग गोल्फ क्लब के सचिव, समृद्ध शर्मा ने कहा कि हमारा प्रयास है कि इस खेल को हम नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। हमारे खिलाड़ी सिर्फ राजस्थान ही नहीं बल्कि देश में भी अपनी पहचान बनाएं।

सीआईआई राजस्थान के पूर्व चेयरमैन, विशाल बैद ने टूर्नामेंट के बारे में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि टूर्नामेंट में पुरुष, महिला, वेटरन (60) , और मेम्बर आदि श्रेणियों में खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। यह स्टेबलफोर्ड सिंगल पियरियो फॉर्मेट में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के विजेताओं और उप विजेताओं के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसमें 0-12, 13-17, और 18-24 वर्ग में पुरुषों के लिए अलग-अलग श्रेणियां होंगी। वहीं बेस्ट वेटरन गोल्फर, बेस्ट लेडी गोल्फर, बेस्ट सीआईआई गोल्फर, और बीट द प्रो श्रेणियों में भी विजेताओं की घोषणा की जाएगी। इसके अतिरिक्त, लॉन्गेस्ट ड्राइव, क्लोजेस्ट टू द पिन, और स्ट्रेटेस्ट ड्राइव श्रेणी में ट्रॉफियां प्रदान की जाएंगी। सीआईआई राजस्थान आउटरीच गतिविधि के बारे में बताते हुए वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख सीआईआई राजस्थान, नितिन गुप्ता ने कहा कि इस पहल के तहत करीब 140 कैडीज को जैकेट्स वितरित किए गए हैं। इस दौरान टूर्नामेंट की ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बिड़ला ऑडिटोरियम में महिला एवं बाल विकास विभाग की ''सशक्त नींव-उज्ज्वल भविष्य'' की थीम पर आयोजित आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने, उनके लिये स्वास्थ्य एवं गुणवत्तापूर्ण पोषण सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

''सशक्त नींव-उज्जवल भविष्य'' की थीम पर आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आईसीडीएस फील्ड कार्मिक प्रशिक्षण के लिये धौलपुर में स्किल लैब का वर्चुअल उद्घाटन किया

■ **मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 43 लाख बच्चों और महिलाओं को आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है।**

जयपुर, 23 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं हमारी आधी आबादी हैं और बच्चे हमारे भविष्य की नींव हैं। उनके विकास और सशक्तिकरण से ही हमारा देश-प्रदेश मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने, उनके लिये स्वास्थ्य एवं गुणवत्तापूर्ण पोषण सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही, राज्य सरकार महिला सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा गुरूवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में महिला एवं बाल विकास विभाग की 'सशक्त नींव-उज्ज्वल भविष्य' की थीम पर आयोजित आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विभागीय योजनाओं का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के लगभग 43 लाख बच्चों और महिलाओं को आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। पोषाहार की गुणवत्ता के लिए ओ.टी.पी. आधारित प्राप्ति तथा चेहरे से पहचान जैसे नवाचार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के माध्यम से बच्चों को अतिरिक्त पोषण के रूप में गर्म दूध उपलब्ध कराया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लाडो प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। इसमें बालिका के जन्म से उसके स्नातक तक की शिक्षा पूरी करने तक एक लाख रु. की राशि की सहायता का प्रावधान किया गया है।

उपमुख्यमंत्री और महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विभाग की सबसे छोटी इकाई से लेकर विभागीय अधिकारियों तक के लिए एक मंच पर संवाद हुआ है। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने आईसीडीएस फील्ड कार्मिक प्रशिक्षण के लिए धौलपुर में स्किल लैब का वर्चुअल उद्घाटन किया। नवीनतम तकनीक से लैस इस स्किल लैब के शुभारंभ से आईसीडीएस कार्मिकों के प्रशिक्षण में सुविधा मिलेगी। इससे संबंधित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी इस दौरान किया गया। साथ ही, सखी, वन स्टॉप सेंटर 181 के पोस्टर, डीबीटी के साथ व्यवहार परिवर्तन की रणनीति के पोस्टर तथा कालीबाई भील उड़ान योजना की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने सैल्फी बूथ पर फोटो भी खिंचवाई। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के संचालन में उत्कृष्ट कार्मिकों का सम्मान भी किया गया। मुख्यमंत्री ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा बाल विवाह को रोकने के लिए उपस्थित जनसमूह को शपथ भी दिलवाई।

इस दौरान, शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेन्द्र सोनी, निदेशक आईसीडीएस ओ पी बुनकर सहित वरिष्ठ अधिकारीगण, विभागीय कार्मिक एवं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक, साथिन उपस्थित रहे।

सचिन पायलट ने गुर्जर समाज से एकजुट होकर आगे बढ़ने का आव्हान किया

गुर्जर कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद के भवन के भूमि पूजन में पायलट के साथ केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर भी शामिल हुए

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गुर्जर कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद के भवन का भूमि पूजन किया। उन्होंने भवन के काम में पारदर्शिता की तारीफ की और इस तरह के कार्यों में हर सम्भव सहयोग के लिए आश्वस्त किया।

■ **कार्यक्रम में अनेक नेताओं और समाजसेवियों ने भवन निर्माण के लिये योगदान देने की घोषणा की। परिषद के कोषाध्यक्ष जगदीश चेची ने बताया कि इस समारोह में भवन के लिये कुल 2 करोड़ 30 लाख रूपये की सहयोग राशि जुटाई गई।**

जयपुर, 23 जनवरी। गुर्जर कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद (जीकेप) के भवन का भूमि पूजन एवं भामाशाह सम्मान समारोह मेट्रो एन्क्लेव मानसरोवर बी-2 बाईपास में सम्पन्न हुआ। प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तंवर ने बताया की भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री सचिन पायलट रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता कृष्णपाल गुर्जर केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री ने की।

विशिष्ठ अतिथि के रूप में गोरधन भाई झड़पिया पूर्व गृह राज्य मंत्री गुजरात, अनंतराम तंवर, सतीश पटेल रहे।

इस मौके पर, पायलट ने समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने का आ ान किया, जीकेप भवन के कार्य में पारदर्शिता की तारीफ की ओर इस तरह के कार्यों में हर सम्भव सहयोग के लिए आस्वस्त किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने 21 लाख रुपये का योगदान दिया।

गोरधन भाई झड़पिया ने सरदार धाम गुजरात से हरसंभव सहयोग की बात की। राष्ट्रीय गुर्जर समिति के अध्यक्ष अनंतराम तंवर ने जीकेप की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए भवन निर्माण हेतु 1 लाख रु का सहयोग किया।

इस मौके पर समाजसेवी सीताराम पोसवाल द्वारा 31 लाख के सहयोग की घोषणा की।

पूर्व जिलाप्रमुख अजीत सिंह महवा ने 10 गांवों से जीकेप भवन में 10 कमरे निर्माण की प्रतिबद्धता जाहिर की व उनकी माँ द्वारा एक कमरा निर्माण की राशि भेंट की गई।

पाली निवासी महाराष्ट्र से पधारे उद्योगपति नानाजी भाई द्वारा भी 4 लाख 61 की राशि प्रदान की। कोषाध्यक्ष जगदीश चेची ने बताया इस प्रकार इस समारोह में जीकेप सांस्थानिक भवन के लिए कुल 2 करोड़ 30 लाख रुपये की सहयोग राशि जुटाई।

इस सांस्थानिक भवन में गुर्जर समाज के बच्चों को रहने की व्यवस्था के साथ, लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस हॉल, कोचिंग हॉल, ऑनलाइन क्लासेज हेतु स्टूडियो, गुर्जर संस्कृति केन्द्र, एक्सपर्ट के माध्यम से उच्च प्रशासनिक जैसे यूपीएससी, आरएएस, सेना, न्यायिक सेवा के पदों हेतु कोचिंग एवं इंटरव्यू, संस्था का प्रशासनिक खंड आदि की व्यवस्था रहेगी।

पूर्व मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह, हेमसिंह भड़ाना, आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला, विधायक सुरेश गुर्जर, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, धीरज गुर्जर, नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ सौम्या गुर्जर, पूर्व सभापति राजाराम गुर्जर, सभापति धनराज गुर्जर सहित दर्जनों अतिथियों ने सभा को संबोधित किया।

संस्था की कार्यकारिणी, भामाशाहों एवं समाज बंधुओं ने हजारों की संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाया। स्वागत भाषण संस्थापक रामफूल गुर्जर ने दिया व मंच का संचालन डॉ. रूपसिंह, महासचिव हंसराज गुर्जर व अतरसिंह छावड़ी ने किया।

संस्था के मार्गदर्शक प्रो पी एस वर्मा ने पधारे हुए महानुभावों का आभार व्यक्त करते हुए समापन की घोषणा की। यह जानकारी प्रवक्ता रामेश्वर गुर्जर ने दी।

आप अपने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा कांग्रेस बढ़कर 21 प्रतिशत पर पहुँच गई। भाजपा का वोट शेयर केवल 4% ज्यादा था, लेकिन उसकी इकतरफा जीत हुई।'' आप, जो अपना अब तक का सबसे मुश्किल चुनाव लड़ रही है, का मानना है कि अगर वह 70 में से 50 से अधिक सीटें जीत जाती है, तो उसकी स्थिति सुविधाजनक रहेगी। इससे कम सीटों की स्थिति में, आप का शीर्ष नेतृत्व असुविधाजनक स्थिति में रहेगा।

चुनाव आयोग ने केजरीवाल की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोप लगाया है कि दिल्ली पुलिस के कहने पर ज़बरदस्ती केजरीवाल की सुरक्षा कम की गई है।

पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि समय-समय पर हमें पंजाब के सीएम भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल को धमकियों की रिपोर्ट मिलती रहती है और हम संबंधित एजेंसियों से इसे शेयर भी करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए हमने अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा में लगे पंजाब पुलिस के जवानों को वापस बुला लिया है। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली पुलिस के साथ अपने इनपुट्स शेयर करते रहेंगे।

अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा में लगे पंजाब पुलिस के जवानों को हटाने पर आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने कहा कि आज दिल्ली पुलिस ने जबरन अरविंद केजरीवाल की पंजाब पुलिस की सुरक्षा हटवा दी। अरविंद केजरीवाल की जे ब्लॉक काली बाड़ी मार्ग पर सभा है और वहां लाठी डंडे लेकर गुंडे पहले से मौजूद हैं।

नीमकाथाना व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सृजन किया था। उसके बाद यहां सरकारी कार्यालय और बस स्टैंड आदि के लिए जमीन आवंटित हो चुकी है। इसके साथ ही, जिला कलेक्टर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को भी जिले में नियुक्त किया गया। वहीं, कानून व्यवस्था पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया और इससे क्षेत्र में अपराध दर में भी कमी आई। इसी बीच, सरकार बदलने के बाद गत 29 दिसंबर को अधिसूचना जारी कर नीमका थाना से जिले का दर्जा छीन लिया गया। याचिका में कहा गया कि समान स्थिति के कुछ अन्य जिलों को राजनीतिक कारणों से बरकरार रखा गया है, जबकि करीब तीन दशक से नीमकाथाना को जिला बनाने की मांग की जा रही थी। ऐसे में जिला रद्द करने की अधिसूचना को निरस्त किया जाए।

फर्जी दस्तावेज वाले दो आरोपियों ने गुनाह कबूल लिया

■ **बिहार के आंतकवाद निरोधक दस्ते को पहले मुकदमे में सफलता मिली।**

पटना, 23 जनवरी। बिहार में आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की पटना स्थित विशेष अदालत के पहले मुकदमे में फर्जी दस्तावेजों के साथ पकड़े गए दो विदेशी नागरिकों ने आज अपना गुनाह कबूल कर लिया। एटीएस की विशेष अदालत के न्यायाधीश अभिजीत कुमार की अदालत में एक आवेदन दाखिल कर इस मामले के आरोपी खैरुल मंडल और अबू सुल्तान ने अपना गुनाह स्वेच्छा से कबूल किए जाने की बात कही थी।

अदालत ने दोनों का बयान लेने के बाद, उनका कबूलनामा स्वीकार करते हुए उन्हें आज भारतीय दंड विधान की धारा 465, 471, 120 और विधि विरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम की धारा 18 तथा 18 बी एवं फॉरेन एक्ट की धारा 14 सी के तहत दोषी करार दिया।

'चुनावी प्रक्रिया में विश्वास खत्म करने वाली फर्जी बातों से बचें'

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनावों में काम करने वाले वैश्विक संगठनों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

■ **दो दिन के सम्मेलन में भूटान, जॉर्जिया, नामीबिया, उज़्बेकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, कज़ाकिस्तान, आयरलैंड, मॉरिशस, फिलीपींस, रूसी संघ, टूनीशिया व नेपाल के 30 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।**

नयी दिल्ली, 23 जनवरी। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने लोकतांत्रिक देशों में चुनाव का प्रबंधन करने वाले निकायों को चुनावी प्रक्रियाओं में विश्वास को खत्म करने वाले फर्जी बातों के प्रति सावधानी बरतने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें चुनाव-की महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं को ही आहत करने के लिए फैलायी जाती हैं।

कुमार ने कहा कि ऐसी फर्जी बातों का मुख्य उद्देश्य चुनाव के मर्मस्थल को बेधना होता है। कुमार गुरुवार को राजधानी में चुनाव प्रबंधन करने वाले राष्ट्रीय निकायों और लांकतांत्रिक चुनाव पद्धतियों के क्षेत्र में काम करने वाले वैश्विक संगठनों के एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन कर रहे थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, इस तरह के मनगढ़ंत आख्यान सामान्यत: ऐसे समय फैलाए जाते हैं जब चुनाव प्रक्रिया किसी महत्वपूर्ण मोड़ पर होती है।

दो दिन का यह सम्मेलन चुनाव प्रबंधन के प्रमुख समकालीन मुद्दों पर चर्चा के लिए आयोजित किया गया है जिसमें भूटान, जॉर्जिया, नामीबिया, उज़्बेकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान, आयरलैंड, मॉरीशस, फिलीपींस, रूसी संघ, ट्ययूनीशिया और नेपाल सहित 13 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के लगभग 30 प्रतिनिधि इसमें भाग ले रहे हैं।

'वैश्विक चुनाव वर्ष 2024: लोकतांत्रिक स्थानों की पुनरावृत्ति, ईएमबी के लिए सीख' विषय पर यह सम्मेलन आयोजित किया गया है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपने मुख्य भाषण में कुमार ने दक्षता, पारदर्शिता और मतदाता विश्वास बढ़ाने में प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है, लेकिन यह साइबर सुरक्षा खतरों और गलत सूचना जैसी चुनौतियां भी लाती है।

उन्होंने चुनाव प्रबंध करने वाले निकायों से इन तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतियों को कारगर बनाने का आग्रह किया, ताकि जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि 2024 चुनौतियों और जटिलताओं के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों की पुष्टि के लिए ईएमबी के लिए एक निर्णायक वर्ष था।

सम्मेलन के पहले दिन उज़्बेकिस्तान, श्रीलंका, मॉरीशस, इंडोनेशिया, कज़ाकिस्तान के चुनाव प्रबंधन निकायों ने 2024 में अपने चुनावी अनुभव पर प्रस्तुतियाँ दीं और सोशल मीडिया पर गलत सूचना, गलत सूचना और फर्जी आख्यानों के बारे में अपनी चिंताएँ रखीं, जो लाइव चुनावों में चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित करते हैं। मॉरीशस के सी.ई.सी. अब्दुल रहमान ने ई.एम.बी. में मतदाताओं के विश्वास को कम करने के लिए फर्जी खबरों के खतरे पर भी जोर दिया। चुनाव कर्मचारियों की भर्ती के लिए फर्जी ऑनलाइन आवेदनों के एक विशेष मामले पर प्रकाश डालते हुए, रहमान ने चुनावों के दौरान गलत सूचना और भ्रामक सूचनाओं के खतरे को बढ़ाने में प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के उपयोग पर चिंता व्यक्त की।

राज्य के 5897 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इन निर्णय के अनुसार, प्रदेश के बून्दी जिले के 486, नागौर जिले के 67, धौलपुर जिले के 58, झालावाड़ जिले के 61, सवाई माधोपुर के 2, बारां के 1, अजमेर के 592, भरतपुर के 418, कोटा के 345, टोंक के 865, बीकानेर के 45, बांसवाड़ा के 817, बालोतरा के 10, फलौदी के 207, पाली के 155, हनुमानगढ़ के 49, डीग के 258, जोधपुर के 262, ब्यावर के 626, भीलवाड़ा के 564 एवं हनुमानगढ़ जिले के 9 गांवों को अभावग्रस्त घोषित किया गया है। इन गांवों में खराबे से प्रभावित किसानों को एसडीआरएफ नॉर्म्स के अनुसार कृषि आदान अनुदान वितरण किया जाएगा।

महाकुंभ में 10 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई

महाकुम्भ नगर, 23 जनवरी। महाकुंभ के अवसर पर मोक्ष की अभिलाषा के साथ देश दुनिया के विभिन्न अंचलों से आकर तीर्थराज प्रयागराज में त्रिवेणी में पवित्र डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या गुरुवार दोपहर तक दस करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी थी। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में स्नान का यह नया रिकॉर्ड है। महाकुम्भ में प्रतिदिन लाखों की श्रद्धालु पुण्य स्नान का फल प्राप्त कर रहे हैं। सरकार पहले ही 45 दिन तक चलने वाले महापर्व के दौरान 45 करोड़ श्रद्धालुओं के यहां आने का अनुमान व्यक्त कर चुकी है। जिसमें अकेले मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर ही दस करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज आगमन के आसार हैं। गंगा की रेती पर हजारों कदम चलने के बाद त्रिवेणी के पावन जल में डुबकी लगाने वालों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। गुरुवार दोपहर 12 बजे तक 30 लाख लोगों ने त्रिवेणी संगम में स्नान कर लिया। इसमें 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे।

20 फरवरी को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, तथा न्यूरोलॉजिकल तकलीफें भी हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि ''मैं दम्पतियों को यह बताने का प्रयास कर रहा हूं कि समय पूर्व प्रसव में मां और शिशु दोनों के लिए भारी खतरा है। गत दो दिनों में मैं इस बारे में 15-20 दम्पतियों से बात कर चुका हूँ।'' जन्म के आधार पर नागरिकता का अधिकार कई भावी माता-पिता के लिए सेफ्टी नैट है, खासकर अमेरिका में काम कर रहे भारतीयों के लिए। एक 28 वर्षीय फाइनेंस प्रोफेशनल ने कहा कि अगर उसकी पत्नी ने डैडलाइन के बाद बच्चे को जन्म दिया तो उसके सारे प्लान्स खराब हो जाएंगे। एक अन्य एच-वन बी वीसा धारक, जिसके पिता बनने में कुछ माह बाकी हैं, ने कहा, यहां आने के लिए बहुत कुछ छोड़ा है, अब लगता है हमारे लिए दरवाजे बंद हो रहे हैं।

अमेरिका की डब्ल्यु.एच.ओ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैल्थ संगठनों के साथ अपने सहयोग को बढ़ाना पड़े या फिर खाली स्थान को भरने के लिए देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करने पड़ें।

डब्ल्यु.एच.ओ. कमज़ोर हुआ तो वैश्विक स्तर पर महामारी की तैयारी के प्रयासों को नुकसान होगा, जिससे देशों को भविष्य में होने वाले प्रकोपों से निपटने में कठिनाई हो सकती है। उदाहरण के लिए, कोविड-19 के लिए भारत डब्ल्यु.एच.ओ. के दिशा-निर्देशों, अनुसंधान और आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क पर निर्भर था, जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि एक मजबूत वैश्विक स्वास्थ्य निकाय कितना महत्वपूर्ण है।

भारत दवा उत्पादन और वैक्सीन निर्माण में एक ग्लोबल लीडर है। एक कमज़ोर डब्ल्यु.एच.ओ. वैश्विक नियामक समन्वय (ग्लोबल रैगुलेटरी हार्मनाइज़ेशन) को प्रभावित कर सकता है, जिससे भारतीय निर्यातों के लिए अप्रूवल और सर्टिफिकेशन मिलने में देरी हो सकती है। हालांकि, यह भारत के लिए एक अवसर भी हो सकता है, जिससे वह एक स्वतंत्र सर्टिफाइंग बॉडी के रूप में अपनी स्थिति स्थापित कर सके और ग्लोबल हैल्थ गवर्नैंस में अपनी प्रभावशीलता को बढ़ा सके।

अमेरिका की निकासी से भारत को डब्ल्यु.एच.ओ. या हैल्थ डिप्लॉमसी में नेतृत्व की भूमिका निभाने का अवसर मिल सकता है। अपनी वित्तीय क्षमता और दक्षता के योगदान को बढ़ाकर भारत खुद को वैश्विक स्वास्थ्य में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर सकता है, जिससे उसकी सॉफ्ट पावर में वृद्धि हो सकती है।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन, जो वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों के प्रबल समर्थक हैं और डब्ल्यु.एच.ओ. के समर्थन में आवाज उठाते रहे हैं, का कहना है कि यह ग्लोबल हैल्थ बॉडी संक्रामक बीमारियों, महामारी और अन्य स्वास्थ्य आपात स्थितियों का समाधान करने के लिए बहुत अधिक जरूरी है।

ब्राउन ने यूके के गार्जियन अखबार में, डब्ल्यु.एच.ओ. से अमेरिका की निकासी के ट्रम्प के निर्णय की आलोचना की है और कहा है कि वित्तीय असमानताओं और कथित चीनी प्रभाव के बारे में गलत तर्क दिए गए।

ब्राउन के अनुसार, पोलियो, एचआईवी और तपेदिक जैसी बीमारियों से लड़ने, महामारी की तैयारी को समन्वित करने और संघर्ष क्षेत्र और जलवायु प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने में डब्ल्यु.एच.ओ. महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ब्राउन यह भी कहते हैं कि डब्ल्यु.एच.ओ. को दिया जाने वाला अमेरिका का वित्तीय योगदान उसके आर्थिक आकार के अनुपात में है, अत्यधिक नहीं है। वे यह भी बताते हैं कि डब्ल्यु.एच.ओ. का अधिकांश वित्तीय योगदान स्वैच्छिक योगदानों से आता है, जिसमें गेट्स फाउंडेशन जैसे निजी संगठन भी शामिल हैं।

संक्रामक बीमारियां सीमाओं का सम्मान नहीं करतीं और डब्ल्यु.एच.ओ. जैसी एक वैश्विक समन्वित संस्था अनिवार्य है। वे कहते हैं कि वर्तमान चुनौतियां, जैसे कई महामहारियाँ, बिना सामूहिक अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के हल नहीं हो सकतीं। वे सुझाव देते हैं कि समृद्ध देशों को डब्ल्यु.एच.ओ. को स्थिर रूप से वित्तपोषित करने के लिए अपना योगदान बढ़ाना चाहिए और निम्न-आय वाले देशों के निरंतर समर्थन को प्रोत्साहित करना चाहिए।

ब्राउन का कहना है कि डब्ल्यु.एच.ओ. को छोड़ देना वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा को कमज़ोर करता है। उन्होंने देशों से आग्रह किया है कि वे इसके ढांचे को मजबूत करें, न कि उसे छोड़ दें।

'चाय बेचने वाले ने ट्रेन में आग लगने की अफवाह फैलाई'

■ **महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने जलगांव ट्रेन हादसे का खुलासा किया।**

मुंबई, 23 जनवरी। महाराष्ट्र के जलगांव में बुधवार शाम हुए ट्रेन हादसे के बारे में नए खुलासे हो रहे हैं। असल में लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैल गई जिससे ट्रेन में सफर कर रहे यात्री इतना डर गए कि वह चलती ट्रेन से ही कूदने लगे। इसके बाद यात्री दूसरे ट्रैक पर आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। इस घटना में 13 लोगों की जान चली गई। इस हादसे को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बड़ा खुलासा किया है।

अजित पवार ने गुरुवार को कहा कि जलगांव ट्रेन दुर्घटना, पुष्पक एक्सप्रेस के अंदर एक चाय बेचने वाले द्वारा ट्रेन में आग लगने की ''अफवाह'' का नतीजा थी। इस अफवाह के कारण लोग घबरा गए और कुछ यात्री ट्रेन से कूद गए। मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में आपातकालीन चेन खींचने की घटना के बाद कुछ यात्री ट्रेन से नीचे उतरे और विपरीत दिशा से आ रही दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गए। अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना में 13 लोगों की मौत हो गई और 15 घायल हो गए।

पवार ने पुणे में पत्रकारों से कहा, ''पैंट्री से एक चायवाला चिल्लाकर बोला कि कोच में आग लग गई है।'' उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती से आए दो यात्रियों ने यह आवाज सुनी और अन्य लोगों को यह गलत सूचना दी, जिससे उनके सामान्य डिब्बे और बगल के कोच में लोगों में दहशत फैल गई।

'हम हमेशा, ''बिना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रहे हैं। इसके लिए खेत, घर व जेवर बेचकर बिचौलियों को पैसा दे रहे हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका के पत्रकारों से कहा कि एक सरकार के रुप में हम निश्चित रुप से कानूनी गतिशीलता में यकीन रखते हैं, क्योंकि हम वैश्विक कार्य स्थल में यकीन रखते हैं। हम चाहते हैं कि भारतीय प्रतिभा व कौशल को विश्व में अधिकतम अवसर मिलें। पर हम अवैध रुप से अन्य देशों में जाने और वहां रहने के खिलाफ भी हैं।''

उन्होंने कहा, क्योंकि आप भी जानते हैं कि जब गैरकानूनी काम होता है तो उसमें कई अन्य अवैध कार्य भी शामिल हो जाते हैं, जो वांछनीय नहीं हैं। इससे साख भी खराब होती है, इसलिए हरेक देश, अमेरिका ही अपवाद नहीं है, के साथ हमने हमेशा यही कहा है कि अगर हमारा कोई नागरिक अवैध रुप से वहां रह रहा है और हमें यकीन हो जाता है कि वह हमारा नागरिक है, तो हमारे दरवाजे उसकी वैध वापसी के लिए खुले हैं।

जयशंकर उन खबरों पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे कि भारत अमेरिका में रह रहे ऐसे 1.80 लाख भारतीयों की वापसी पर काम कर रहा है, जिनके पास कागजात नहीं हैं या जो वीसा अवधि से भी ज्यादा समय से रुके हुए हैं।

उन्होंने कहा ''यह स्थिति सिर्फ अमेरिका के लिए अनोखी नहीं है। मैं समझता हूं कि अभी एक बहस चल रही है, जिससे मामला संवेदनशील बन रहा है, पर हम स्थिर बने रहे।

इस मामले में हम बहुत सिद्धांतवादी हैं। मैंने यह बात अमेरिका के विदेश मंत्री को बताई है। हम मानते हैं कि हमें कानूनी प्रक्रिया की गति बढ़ानी चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''इसी में हमारा पारस्परिक हित है। अगर एक वीसा पाने के लिए 400 दिन इंतज़ार करना पड़ता है तो यह ठीक नहीं है। रुबियो ने इसे नोट किया है।''

''लेकिन मैंने कुछ आंकड़े देखे है। मैं इन पर आपको सावधान करता हूँ, क्योंकि एक संस्था तभी प्रासंगिक होती है, जब हम यह साबित कर पाएं कि वह व्यक्ति भारतीय मूल का है।''

चेक बाउन्स...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि तीन माह के भीतर अगर जुर्माना नहीं भरा गया तो वर्मा को तीन महीने और जेल में बिताने होंगे। चेक अनादरण का मामला 2018 में रामगोपाल वर्मा की फर्म के खिलाफ दायर हुआ था। जून 2022 में वर्मा को निजी मुचलका और पांच हजार रुपये की नकद सुरक्षा जमा करने के बाद जमानत दे दी गई थी। मजिस्ट्रेट वाईपी पुजारी ने राम गोपाल वर्मा को सजा सुनाते हुए कहा, आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 428 के तहत सेट-ऑफ का कोई सवाल ही नहीं है क्योंकि आरोपी ने मुकदमे के दौरान हिरासत में कोई अवधि नहीं बिताई है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908